कोटद्वार, रविवार
19 अक्टूबर 2025
वर्षः 47
अंकः 160 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बड़े प्रदर्शन की तैयारी

नई दिल्ली।डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अमेरिका में आवाज तेज होती जा रही है। देश में उनके खिलाफ प्रदर्शन की तैयारियां चल रही हैं। इन विरोध प्रदर्शनों को ह्यनो किंग्सह्न नाम दिया गया है। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकल पार्टी इन रैलियों को ह्यहेट अमेरिकाह्न रैली कह रही है। ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद उनके खिलाफ यह तीसरा सामूहिक प्रदर्शन है। अनुमान है कि यह ट्रंप के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन होगा।

तानाशाही की आशंका

यह सब ऐसे वक्त में हो रहा है जब सरकारी स्तर पर तमाम सेवाओं को बंद कर दिया गया है। इसके तहत फेडरल प्रोग्राम्स और सर्विसेज को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा अमेरिका में कांग्रेस और अदालतों के बीच टकराव भी बढ़ा है। विरोध प्रदर्शन बुलाने वालों का कहना है कि यह सारी बातें अमेरिका के तानाशाही के ओर बढ़ने की चेतावनी हैं। डोनाल्ड ट्रंप फिलहाल वॉशिंगटन से दूर, फ्लोरिडा में अपने घर पर हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज पर प्रसारित एक इंटरव्यू में कहा कि वह लोग मुझे राजा कह रहे हैं। मैं कोई राजा नहीं हूं।

इस साल का तीसरा विरोध प्रदर्शन

इस साल की शुरुआत में हुए विरोध प्रदर्शनों में एलन मस्क द्वारा कटौती के प्रस्तावों का विरोध हुआ था। इसके अलावा जून में ट्रंप की मिलिट्री परेड का भी जमकर विरोध किया गया था। वहीं, इस बार रैली के आयोजकों का कहना है कि अब विपक्ष ज्यादा एकजुट है। सीनेट नेता चक शूमर जैसे शीर्ष डेमोक्रेट और इंडिपेंडेंट सीनेटर बर्नी सैंडर्स इसमें शामिल हो रहे हैं। इसे ट्रंप के खिलाफ बेहद अहम माना जा रहा है।

रम्पुरा में दो पक्षों में पथराव, वीडियो वायरल

रुद्रपुर। रम्पुरा में दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव भी किया। एक पक्ष ने तमंचा लहराए। वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हुआ तो मामला चर्चाओं में आ गया। साथ ही एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने रम्पुरा चौकी पुलिस को आरोपितों की पहचान कर कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस उनकी पहचान में जुट गई है।

शुक्रवार रात को रम्पुरा में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। जिसके बाद उनके बीच जमकर पथराव हुआ। साथ ही एक पक्ष ने तमंचे भी लहराए। शनिवार को इंटरनेट मीडिया में वीडियो वायरल हो गया। वायरल वीडियो में कुछ युवक एक जगह खड़े हैं और आसपास काफी सारे पत्थर और ईंट सड़क पर बिखरे हुए है। वहां मौजूद दो युवकों के हाथ में तमंचे है। जो पथराव कर रहे हैं। जबकि दूसरी ओर से फिर पथराव किया जा रहा है। बाद में फुटेज में दिखाई दे रहे युवक हाथों में तमंचा लहराकर गालीगलौज करते हुए दिखाई दे रहे है। वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हुआ तो चर्चाओं में आ गया। वीडियो पुलिस अधिकारियों तक भी पहुंची। जिस पर एसएसपी ने रम्पुरा चौकी प्रभारी को वीडियो की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपितों की पहचान की जा रही है। इसके लिए वीडियो फुटेज से पुलिस टीम रम्पुरा में उनकी तस्दीक करने में जुट गई है। आरोपितों की पहचान होने के बाद उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

ज्वालापुर पुलिस ने लौटाए 38 मोबाइल

हरिद्वार। धनतेरस पर ज्वालापुर पुलिस ने चोरी या गुम हुए 38 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिए। अपना मोबाइल मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी झलक उठी और उन्होंने पुलिस का आभार जताया। पुलिस के अनुसार एसएसपी के निर्देश पर ऑपरेशन रिकवरी के तहत गुम हुए मोबाइलों को ढूंढा जा रहा है। इसी क्रम में ज्वालापुर पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से विभिन्न क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल का डेटा सर्च किया और 38 मोबाइल बरामद करने में सफलता हासिल की। शनिवार को वरिष्ठ उपनिरीक्षक खेमेन्द्र गंगवार ने सभी मोबाइल स्वामियों से संपर्क कर उन्हें कोतवाली बुलाया। प्रक्रिया पूरी करते हुए मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे गए। इंस्पेक्टर कुंदन सिंह राणा ने उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल या अन्य कीमती वस्तु गुम होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि उसे ट्रैक कर बरामद किया जा सके।

यूसीसी में बदलाव पर धामी सरकार का हलफनामा

●हाई कोर्ट को बताया लिव–इन के किस नियम में कर रहे संशोधन

नैनीताल। उत्तराखंड सरकार ने हाई कोर्ट में एक हलफनामा दायर करते हुए कहा है कि राज्य सरकार समान नागरिक संहिता के कुछ प्रावधानों में संशोधन कर रही है। इस हलफनामे में कहा गया कि ये संशोधन रजिस्ट्रार कार्यालय के नियम 380 से संबंधित हैं, जो उन शर्तों को सूचीबद्ध करते हैं जिनके अंतर्गत लिव–इन रिलेशनशिप को रजिस्टर्ड नहीं किया जा सकता है। 78 पेज का यह हलफनामा 15 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश जी.नरेंद्र और जस्टिस सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ के सामने महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावित संशोधनों में विभिन्न पंजीकरण और घोषणा प्रक्रियाओं के लिए आधार नंबर को पहचान प्रमाण के रूप में अनिवार्य करने का भी प्रावधान किया गया है।

नियम 380 में किसी आपत्तिजनक या रोक–टोक वाले रिश्ते में शामिल जोड़े से जुड़ा है, इसमें किसी ऐसे जोड़े के बारे में उल्लेख किया गया है, यदि उनमें से एक या दोनों पहले से शादीशुदा हैं या किसी अन्य रिश्ते में साथ रह रहे हैं या यदि जोड़े में से कोई एक नाबालिग है। राज्य सरकार के अनुसार इस हलफनामे के जरिए लिव–इन पंजीकरण और साथ रहने वाले संबंधों को खत्म करने की प्रक्रिया में सुधार, पुलिस के साथ जानकारी साझा करने में अधिक स्पष्टता प्रदान करने और खारिज किए गए आवेदनों के लिए अपील की अवधि बढ़ाने पर फोकस किया गया है।

संशोधित प्रावधान के जरिए रजिस्ट्रार और स्थानीय पुलिस के बीच डेटा साझा करने के दायरे को सीमित करने की कोशिश की गई है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल रिकॉर्ड–कीपिंग उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधनों में विभिन्न पंजीकरण और घोषणा प्रक्रियाओं में पहचान प्रमाण के रूप में आधार के अनिवार्य उपयोग से संबंधित परिवर्तन भी शामिल हैं।

इन परिवर्तनों का मुख्य उद्देश्य उन मामलों में वैकल्पिक पहचान दस्तावेजों की अनुमति देकर लचीलापन प्रदान करना है जहां आवेदक के पास आधार नहीं होता है, खासकर उन मामलों में जहां वे प्राथमिक आवेदक नहीं हैं। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि एक संशोधन में साथ रहने की घोषणा को खारिज करने वाले रजिस्ट्रार के फैसले को चुनौती देने के लिए आवेदकों के लिए समय अवधि को अस्वीकृति आदेश प्राप्त होने की तारीख से 30 दिन से बढ़ाकर 45 दिन करने का प्रस्ताव है।

ट्रैक्टर–ट्राली और पिकअप की भिड़ंत में चार मजदूरों की मौत, तीन घायल

रुद्रपुर। नानकमत्ता में शनिवार सुबह ट्रैक्टर–ट्राली और पिकअप वाहन की भिड़ंत में यूपी के संभल जिले के चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। जानकारी के मुताबिक संभल जिले के हसनगढ़ निवासी गुरुमुख (17) पुत्र राजेंद्र, शीशपाल(22) पुत्र महावीर, जयवीर पुत्र धर्मेन्द्र, जयवीर (31) पुत्र श्यामलाल, पुरुषोत्तम व अमरोहा निवासी अखिलेश सड़ासड़ीया से दीवाली मानने घर लौट रहे, तभी नानकसागर डेम से पहले मोड पर सामने से तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर ट्राली पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में सातों मजदूर गंभीर रूप से घायल रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची नानकमत्ता पुलिस ने 108 को फोन कर बुलाया और सातों को उप जिला अस्पताल खटीमा पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अखिलेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि गुरुमुख व जयवीर पुत्र श्यामलाल की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। शीशपाल की हालत गंभीर होने पर उसे हल्द्वानी हायर सेंटर रेफर कर दिया। 108 एंबुलेंस से ले जाते समय शीशपाल की सितारगंज में मौत हो गई। जयपाल पुत्र धर्मेन्द्र, प्रदीप व पुरुषोत्तम का इलाज शुरू कर दिया गया है। चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

कैंची धाम के पास रेस्टोरेंट में चली गोली, कर्मचारी की मौत

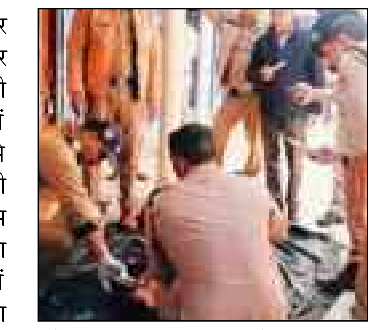

नैनीताल। उत्तराखंड की सरोवर नगरी नैनीताल से लगभग 15 किलोमीटर दूर प्रसिद्ध कैंची धाम के निकट भवाली थाना क्षेत्र में देर रात एक रेस्टोरेंट में संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रडॅ की टीम मौके पर पहुंची। एसपी सिटी जगदीश चन्द्रा ने बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला एक्सीडेंटल फायर का लग रहा है। घटना के समय रेस्टोरेंट के एक कमरे में चार–पांच लोग मौजूद थे, तभी अचानक गोली चल गई, जिससे एक कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी सिटी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना भवाली–अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित किरौला रेस्टोरेंट में हुई। मृतक की पहचान आनंद सिंह (38), पुत्र लोक सिंह, निवासी सिमलखा, बेतालघाट (नैनीताल) के रूप में हुई है। घटना रात करीब दो बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जिस बंदूक से गोली चली वह लाइसेंसी हथियार है।

घटना की सूचना मिलते ही भवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। मामले की जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीएन मीणा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मामला दुर्घटनावश फायरिंग का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण छिपा है।

जीजा ने किया नाबालिग साली से दुष्कर्म

पीड़िता ने दिया नवजात को जन्म, कोर्ट ने सुनाई 20 साल कारावास की सजा

रुद्रप्रयाग। नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सहदेव सिंह की अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और पांच हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। साथ ही न्यायालय ने पीड़िता को विधिक प्रावधानों के तहत प्रतिकर (मुआवजा) देने का भी आदेश दिया है।

घटना के मुताबिक, 18 अगस्त 204 को पीड़िता के पिता द्वारा थाना ऊखीमठ में प्रार्थना पत्र देकर सूचना दी कि उनकी 17 वर्षीय अविवाहित नाबालिग पुत्री गर्भवती है। जांच के दौरान डॉक्टरों ने पुष्टि की कि लड़की गर्भवती है और उसके पेट में चार माह का भ्रूण है। जब परिजनों ने पूछताछ की तो पीड़िता ने अपने जीजा का नाम बताया। तहरीर के आधार पर थाना ऊखीमठ में आरोपी के खिलाफ धारा पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

मामले की जांच महिला उपनिरीक्षक को सौंपी गई। पीड़िता के बयान दर्ज किए गए, जिसमें उसने स्पष्ट रूप से बताया कि आरोपी जीजा ने उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद पीड़िता का मेडिकल परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में कराया गया। बीते 22 अगस्त 2024 को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने पेश किया, जहां से उसे ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया। सभी सबूतों और बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में पेश की गई। ट्रायल के दौरान पीड़िता ने एक नवजात शिशु को जन्म दिया।

न्यायालय की अनुमति से पीड़िता, आरोपी और नवजात के डीएनए सैंपल टेस्ट को लेकर विधि विज्ञान प्रयोगशाला, देहरादून भेजे गए। प्राप्त एफसीएल रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुआ कि नवजात शिशु के जैविक माता–पिता, पीड़िता और आरोपी ही हैं।

विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सहदेव सिंह ने प्रॉसिक्यूटर और बचाव पक्ष की बहस सुनने के बाद आरोपी को उपरोक्त धाराओं में दोषसिद्ध करते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही न्यायालय ने आदेश दिया कि पीड़िता को विधिक प्रावधानों के अनुरूप मुआवजा (कंपनसेशन) प्रदान किया जाए। इस प्रकरण में सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) आशीष नेगी ने प्रभावी पैरवी की।

कनखल से लापता युवक का शव नहर पटरी पर मिला

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में शनिवार सुबह नहर पटरी पर एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रारंभिक जांच में युवक की मौत ठंड लगने या हृदयगति रुकने से होना मान रही है। सुबह ऋषिकुल के पास नहर के किनारे राहगीरों ने एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब जांच की तो व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान नन्हे साहनी (42 वर्ष) पुत्र हर्ष स्वरूप साहनी निवासी कुम्हारगढ़ा थाना कनखल मूल निवासी शहरपुर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई।परिजनों से पूछताछ में पता चला कि नन्हे शुक्रवार देर रात बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे। परिजनों ने सूचना पर पुलिस उन्हें तलाश रही थी। इसी बीच शनिवार सुबह उनका शव नहर पटरी पर मिला। थानाध्यक्ष मनोहर सिंह रावत ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुरानी चोटों के निशान जरूर पाए गए हैं। बताया गया कि कुछ माह पहले नन्हे सड़क दुर्घटना में घायल हुए थे, जिसके बाद से वे मानसिक रूप से कमजोर हो गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी, हालांकि शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि ठंड लगने या फिर हृदयगति रुकने के कारण जान गई है।

केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई है। इसके तहत शनिवार को केदारनाथ धाम के क्षेत्रपाल भकुंट भैरवनाथ मंदिर में आखिरी पूजा-अर्चना हुई। इसी के साथ केदारनाथ स्वयंभू लिंग से श्रृंगार भी हटा दिया गया अब आरती भी सूक्ष्म रूप से होगी। केदारनाथ मंदिर के कपाट 23 अक्तूबर को विधि-विधान से बंद कर दिए जाएंगे।

शनिवार को केदारनाथ के क्षेत्रपाल भकुंट भैरवनाथ मंदिर में आखिरी पूजा हुई। दोपहर बारह बजे से तीन घंटे तक विशेष पूजाएं हुईं। आचार्य संजय तिवारी, आचार्य तेजप्रकाश त्रिवेदी, बागेश्वर लिंग ने पूजा की। केदार सभा के महामंत्री अंकित सेमवाल ने बताया कि 22 अक्तूबर को केदारनाथ की पंचमुखी डोली भंडार गृह से सभामंडप में विराजमान होगी और 23 को तड़के 3 से पांच बजे तक केदारनाथ की समाधि पूजा होगी। इसके बाद सुबह 6 बजे केदारनाथ गर्भगृह के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। सुबह साढ़े आठ बजे केदारनाथ की पंचमुखी डोली वेदपाठी, आचार्यगण और हक-हकूकधारियों के साथ रात्रि प्रवास के लिए रामपुर पहुंचेगी। 24 को डोली गुप्तकाशी विश्वनाथ मंदिर में और 25 को विधि-विधान से शीतकालीन गद्दीस्थल ऊखीमठ ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान हो जाएगी। इस मौके पर केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, महामंत्री राजेंद्र तिवारी, अंकित सेमवाल, विनोद शुक्ला, अनिल शुक्ला और पंकज शुक्ला आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सरकार की प्रतिबद्धता : धामी

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त सहायक समीक्षा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैंप कार्यालय में राजस्व परिषद में नव-चयनित सहायक समीक्षा अधिकारी एवं समीक्षा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कार्मिकों से कहा कि सरकारी सेवा को जनसेवा का माध्यम मानकर कार्य करें। उन्हें अपने कार्य में पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में सरलीकरण और गति लाना आवश्यक है, ताकि जनता को शीघ्र और सरल सेवाएं प्राप्त हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते चार वर्ष में राज्य में 26,500 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि राज्य में पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर भर्ती प्रक्रिया को अभियान के रूप में निरंतर आगे बढ़ाया जाए। कहा कि कुछ समय पूर्व हरिद्वार में हुई परीक्षा से संबंधित एक प्रकरण सामने आया था, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया और एसआईटी जांच गठित की गई। इसके पश्चात छात्रों की भावनाओं को देखते हुए उन्होंने छात्रों की मांगों के अनुरूप परीक्षा को निरस्त करते हुए सीबीआई जांच की संस्तुति की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बीते वर्षों के दौरान सभी प्रतियोगी परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की गई हैं। भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार आगे भी पूर्ण पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया को अभियान के रूप में जारी रखेगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद वर्धन, सचिव एस.एन. पांडे, अपर सचिव रंजना राजगुरु, राजस्व परिषद के अधिकारियों सहित नव नियुक्त सहायक समीक्षा अधिकारी एवं समीक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

जुबीन गर्ग मौत मामला, आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। गायक जुबीन गर्ग की मौत से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में असम के नगांव जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि आरोपित ने ओटीटी प्लेटफार्म की क्लिप का इस्तेमाल किया था और उसमें भड़काऊ टिप्पणी जोड़ दी थी। हिमंत ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपित ने स्वीकार किया कि उसने वीडियो अपलोड किया था। हिमंत ने एक्स पर पोस्ट किया, नगांव निवासी मोहम्मद इंजामुल हक को 15 अक्टूबर को अपने फेसबुक पेज पर 'एसके अहमद' नाम से जुबीन की मौत से संबंधित विवादास्पद वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जुबीन का 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय डूबने से निधन हो गया था।

हाईवे के किनारे मिली युवती की अधजली लाश

रुड़की। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। श्यामपुर थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे युवती की अधजली लाश मिली है। फिलहाल युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवती की उम्र करीब 20 से 30 साल के बीच लग रही है। हाईवे के किनारे महिला का जला हुआ शव मिलाः जानकारी के मुताबिक श्यामपुर थाना क्षेत्र के गाजीवाली इलाके में हाईवे के किनारे महिला का जला हुआ शव पड़ा था। स्थानीय लोगों की शनिवार को जब शव पर नजर पड़ी तो सनसनी फैल गई। उन्होंने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी। हाईवे किनारे युवती की अधजली लाश मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पहुंची और अपनी जांच पड़ताल शुरू की। शव की शिनाख्त करना मुश्किल हो रहाः पुलिस ने सबसे पहले इलाके के लोगों से पूछताछ की और मौके से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त करना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि शव का काफी जला हुआ है। वहीं हरिद्वार पुलिस की तरफ से जो जानकारी मिलती है, उसके अनुसार श्यामपुर थाना क्षेत्र में अज्ञात महिला का अधजला शव बरामद हुआ है। मृतका की आयु लगभग 20 से 30 वर्ष के मध्य प्रतीत हो रही है। पुलिस की कार्रवाई जारीः पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना प्राप्त होते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण द्वारा तत्काल मौका मुआयना किया गया ।

100 माओवादी करेंगे आत्मसमर्पण, मुख्यधारा में लौटने का किया फैसला

नई दिल्ली। जब पूरा देश सोमवार को रोशनी का पर्व मनाएगा, ठीक उसी दिन गरियाबंद में सक्रिय उदंती एरिया कमेटी के सक्रिय माओवादी अपने वर्षों पुराने हथियार बंद संघर्ष को विराम देकर नई जिंदगी की शुरुआत करेंगे। यह निर्णय महाराष्ट्र में भूपति के 61 साथियों के साथ हुए आत्मसमर्पण और बस्तर में रूपेश के 210 माओवादियों के साथ लाल आतंक छोड़कर संविधान को अपनाने की घटना के ठीक बाद आया है। इन सामूहिक आत्मसमर्पणों की राह पर चलते हुए उदंती टीम ने भी हथियारबंद संघर्ष को त्यागने का फैसला किया है, जिससे पूरे छत्तीसगढ़ में शांति की उम्मीद जगी है।

20 तारीख को आत्मसमर्पण करेंगे नक्सली

माओवादी सुनील द्वारा जारी एक अपील पत्र के अनुसार, कमेटी ने 20 तारीख को ही आत्मसमर्पण की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। पत्र में स्पष्ट रूप से बाकी यूनिटों को सोमवार दोपहर 12:30 बजे मिलने का आह्वान किया गया है, ताकि सशस्त्र आंदोलन को विराम दिया जा सके। माओवादी सुनील की अपील में संगठन के भीतर का निराशाजनक माहौल साफ झलकता है। उसने अपनी बात को वजन देने के लिए अपने साथियों से कहा है कि "पहले हमें बचना है उसके बाद संघर्ष आगे बढ़ा सकते है।" सुनील ने स्वीकार किया है कि केंद्रीय नेतृत्व (सेंट्रल कमेटी) सही समय पर निर्णय नहीं ले सका और उन्होंने कई महत्वपूर्ण कामरेडों को खो दिया है।

मुख्यधारा में लौटें माओवादी : एसपी

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने कहा कि "त्योहार के इस पावन मौके पर माओवादियों का यह फैसला बेहद प्रतीकात्मक है। हम लगातार अपील करते रहे हैं कि वे मुख्यधारा में लौटें और हिंसा का अंधेरा छोड़ दें।

आम आदमी को राहत, मुनाफाखोरों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि गत 22 सितंबर से जीएसटी की दरों में कटौती के बाद रोजमर्रा के 54 आइटम के दाम में 6–12 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। आम आदमी को जीएसटी दरों में कटौती का लाभ मिल रहा है।

इन 54 आइटम में बटर–घी से लेकर टूथब्रश व शैंपू, छाता व खिलौने तक शामिल हैं। गत 22 सितंबर के बाद से लेकर अब तक विभिन्न जोन से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर वित्त मंत्रालय ने यह दावा किया है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती का लाभ नहीं देने वालों को सजा दिलाई जाएगी।

कितनी शिकायतें आई

जीएसटी कटौती का लाभ नहीं देने के मामले में उपभोक्ता मंत्रालय के पास आई शिकायतों में से 3075 शिकायतों को जांच के लिए अप्रत्यक्ष कर विभाग के पास भेज दिया गया है जिसकी जांच जीएसटी संबंधित अधिकारी कर रहे हैं। गत 22 सितंबर से जीएसटी दरों में कटौती का लाभ नहीं मिलने पर सरकार ने जनता से उपभोक्ता मामले मंत्रालय में शिकायत करने के लिए कहा था।

बांग्लादेश में अब सांस्कृतिक तख्तापलट की साजिश

नई दिल्ली। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में मुहम्मद यूनुस के आने के बाद से वहां कट्टरपंथ में लगातार वृद्धि हुई है। कट्टरपंथ का बढ़ना, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और आतंकी शिविरों का तेजी से बढ़ना तय था क्योंकि यूनुस पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई–नियंत्रित जमात–ए–इस्लामी के हाथों की कठपुतली बन गए हैं।

हिंसा जहां एक ओर रोजमर्रा की बात हो गई है, वहीं देश में आईएसआई की बढ़ती मौजूदगी गंभीर चिंता का सबब बन गई है। बहरहाल, बांग्लादेश के लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि पाकिस्तान उनके देश की सांस्कृतिक पहचान को मिटाने की कोशिश कर रहा है।

बड़ी संख्या में आतंकी शिविर बना रही है खुफिया एजेंसी आईएसआई

आइएसआइ बड़ी संख्या में आतंकी शिविर स्थापित कर रही है। इनकी निगरानी के लिए आईएसआई के अधिकारी ही इन शिविरों के प्रभारी हैं। युवाओं की भर्ती की देखरेख का काम जमात–उल–मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेयूएमबी), अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) और हरकत–उल–जिहादी इस्लामी (हूजी) को सौंपा गया है।

ढाका में तीन शिविर स्थापित किए गए हैं। बांग्लादेशियों की सोच को अत्यधिक कट्टरपंथी बनाने के लिए आइएसआइ देश को पाकिस्तान की तरह चलाने की साजिश रच रही है। पाकिस्तान से बांग्लादेश आने वाले मौलवियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। वे चटगांव पहाड़ी इलाकों और कई अन्य स्थानों पर आईएसआई द्वारा स्थापित शिविरों में जाते हैं। इसके अलावा, आईएसआई ने ढाका में भी विशेष शिविर स्थापित किए हैं जहां ये मौलवी जाते हैं।

बांग्ला की जगह उर्दू को मुख्य भाषा बनाने के लिए उधेड़बुन

मौलवियों की यात्राओं का आयोजन पाकिस्तान द्वारा किया जाता है और जमात, हिज्ब–उत–तहरीर और बांग्लादेशी इस्लामी आंदोलन जैसे समूहों द्वारा इनका समन्वय किया जाता है।

सम्पादकीय

सिमटती सड़के, बढ़ते वाहन

त्योहारी सीजन में एक बार फिर उत्तराखंड के बड़े नगरों में यातायात का तंत्र पटरी से उतरने लगा है। पहले ही उत्तराखंड की यातायात परिवहन व्यवस्था बहुत जर्जर हालत से गुजर रही है उसे पर त्यौहार के सीजन में तो स्थिति और भी बद से बदतर हो जाती है। पिछले कुछ सालों में राज्य सरकार ने यातायात परिवहन तंत्र को सुधारने के लिए प्रयास तो किया लेकिन जिस प्रकार से सीमित सड़कों में वाहनों का सैलाब बढ़ता जा रहा है उससे यह प्रयास भी नाकाफी साबित होने लगे हैं। स्थिति यह है कि घरों के अंदर गाड़ियां खड़ी करने की जगह नहीं है और वाहनों को अब सड़कों के किनारे खड़े करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया है। त्योहारी सीजन के दौरान सड़कों पर वाहनों का सैलाब स्पष्ट नजर आता है, इसके आगे पुलिस तंत्र के भी हाथ पैर फूल चुके हैं। खास तौर से उत्तराखंड के बड़े नगर देहरादून, हरिद्वार और उधम सिंह नगर जैसे स्थान पर ही यातायात जाम की सबसे बड़ी समस्या है। राजधानी देहरादून वैसे तो हमेशा से ही अव्यवस्थित यातायात से जुड़ी आई है लेकिन आजकल त्योहारों के समय तो यह स्थिति और अधिक विकराल हो चली है। परिवहन तंत्र को सुचारू रूप से चलने के लिए नियमित तौर पर अतिक्रमण हटाने की व्यवस्था के साथ–साथ नो पार्किंग जोन भी बनाए गए हैं लेकिन समस्या फिर वही खड़ी होती है कि जब पार्किंग जोन ही नहीं है तो वाहन चालक आखिर वहां कहां पार्क करें? जाम से निपटने एवं पार्किंग व्यवस्था को सुधारने के लिए पेड पार्किंग जैसे फॉर्मूले अपनाने की कोशिश की गई है लेकिन यह भी बेहद सीमित संख्या में है और वाहनों की बाढ़ तो मानो थमने का नाम ही नहीं ले रही है। अकेले देहरादून में ही दैनिक तौर पर हजारों नए वाहन सड़कों पर उतरते हैं, इन परिस्थितियों में सड़क जाम नहीं होगी इसकी कल्पना करना बेकार है। यातायात जाम से निजात के लिए सार्वजनिक यात्री वाहन चलाने जरूरी है लेकिन आजकल कोई इन सेवाओं का लाभ लेना ही नहीं चाहता। शेयरिंग सिस्टम अभी हमारे देश में एक दूर की कौड़ी है लेकिन विदेशों में से व्यावहारिक तौर पर प्रयोग में लाया जाता है। उत्तराखंड में यातायात की समस्या हमेशा से ही बनी रही है फिर वह चाहे नगरों की यात्रा प्रबंधन व्यवस्था हो या फिर चार धाम यात्रा या अन्य धार्मिक स्थलों के आयोजन हर जगह ऐसे मौके पर वाहनों को तिल तिल सरकते देखा जाता है। ऐसा नहीं है की पुलिस विभाग और शासन सुचारू यातायात संचालन के लिए प्रयास नहीं करता लेकिन हकीकत तो यह है कि वर्तमान की व्यवस्थाएं वाहनों की उतनी संख्या झेलने की क्षमता नहीं रखती है जो इन दिनों सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आने वाले दिनों में हालात और अधिक खराब होने वाले हैं क्योंकि सड़के सीमित है और लोगों की जीवन शैली में चौपहिया वाहन एक अनिवार्य वस्तु बनता जा रहा है।

अंतरिक्ष में भारत की खगोलीय यात्रा के 11 वर्ष

डॉ. जितेन्द्र सिंह

केरल के थुंबा में मछली पकड़ने वाले शांत गाँव के चर्चयार्ड से साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन देश कितनी ऊँचाईयों को छूएगा। यह समय दृढ़ संकल्प का था, जब सितारों तक पहुँचने का सपना सीमित साधनों, लेकिन असीम महत्वाकांक्षा के साथ परवान चढ़ा।

आज, वह सपना विकसित होकर एक राष्ट्रीय मिशन का रूप अख्तियार कर चुका है, और जब हम नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों को चिन्हित कर रहे हैं, तो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में आमूल–चूल बदलाव आ चुका है झ यह साहसपूर्ण, समावेशी और आम नागरिकों के जीवन से गहराई से संबद्ध है।

यह परिवर्तन केवल रॉकेट और उपग्रहों से ही संबंधित नहीं है, अपितु यह लोगों के बारे में है। यह दर्शाता है कि दूरदराज के गाँव के किसान से लेकर डिजिटल कक्षा के छात्र तक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किस प्रकार रोजमर्रा की जिंदगी की लय में खामोशी से शामिल हो चुकी है । प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अंतरिक्ष विभाग के रणनीतिक नेतृत्व में, भारत ने विकास, सशक्तिकरण और अवसर के उपकरण के रूप में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की नए सिरे से परिकल्पना की है।

साल 2014 से शुरू किए गए सुधारों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। 2020 में इन–स्पेस की स्थापना ने निजी कंपनियों को अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, जिससे नवाचार की लहर उठी। आज, 300 से अधिक अंतरिक्ष–प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उपग्रह बना रहे हैं, प्रक्षेपण वाहन डिजाइन कर रहे हैं तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नेविगेशन के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले अनुप्रयोग विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप केवल प्रौद्योगिकी ही सृजित नहीं कर रहे हैं – वे खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवा इंजीनियरों और उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। उदारीकृत अंतरिक्ष नीति ने अंतरिक्ष सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बना दिया है, जिससे उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंच रहा है।

भारत के उपग्रह अब मौसम पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदौलत किसानों को अपनी बुवाई और कटाई के चक्रों की योजना अधिक सटीकता से बनाने में मदद मिलती है। बाढ़–ग्रस्त क्षेत्रों में, उपग्रह डेटा प्रारंभिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन और आजीविका की रक्षा होती है। चक्रवातों और सूखे के दौरान रिमोट सेंसिंग के कारण अधिकारियों को तैयार रहने और नुकसान को कम करने में मदद मिलती है। ग्रामीण क्लीनिकों में, उपग्रह कनेक्टिविटी द्वारा संचालित टेलीमेडिसिन की बदौलत शहरी केंद्रों के डॉक्टरों द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में रोगियों को परामर्श मुमकिन हो पाता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा से संबंधित खाई पाटना संभव होता है। सैटेलाइट बैंडविड्थ द्वारा समर्थित ई–लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म यह सुनिश्चित करते हुए कि भूगोल अब सीखने में बाधा नहीं रहा है, दूर–दराज के गाँवों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं।

भारत के स्वदेशी जीपीएस नेटवर्क–नाविक प्रणाली का इस्तेमाल अब वाहनों में नेविगेशन, ट्रेनों और जहाजों पर नज़र रखने और मछुआरों को किनारे पर सुरक्षित वापस लाने के लिए किया जाता है। कृषि में, उपग्रह परामर्श से किसानों को मिट्टी की नमी, फसल की सेहत और कीटों के संक्रमण की निगरानी करने में मदद मिलती है, जिससे उचित निर्णय लेने और बेहतर पैदावार प्राप्त करने में मदद मिलती है। ये काल्पनिक लाभ नहीं हैं, बल्कि – ये लाखों लोगों के जीवन में आया वास्तविक, उल्लेखनीय सुधार हैं।

बीते दशक में शुरू किए गए मिशनों ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। मंगलयान भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए अपने पहले ही प्रयास

> भारत के उपग्रह अब मौसम पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदौलत किसानों को अपनी बुवाई और कटाई के चक्रों की योजना अधिक सटीकता से बनाने में मदद मिलती है। बाढ़–ग्रस्त क्षेत्रों में, उपग्रह डेटा प्रारंभिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन और आजीविका की रक्षा होती है। चक्रवातों और सूखे के दौरान रिमोट सेंसिंग के कारण अधिकारियों को तैयार रहने और नुकसान को कम करने में मदद मिलती है। ग्रामीण क्लीनिकों में, उपग्रह कनेक्टिविटी द्वारा संचालित टेलीमेडिसिन की बदौलत शहरी केंद्रों के डॉक्टरों द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में रोगियों को परामर्श मुमकिन हो पाता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा से संबंधित खाई पाटना संभव होता है। सैटेलाइट बैंडविड्थ द्वारा समर्थित ई–लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म यह सुनिश्चित करते हुए कि भूगोल अब सीखने में बाधा नहीं रहा है, दूर–दराज के गाँवों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं।

में मंगल पर पहुँच गया। चंद्रयान–3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरा, ऐसा क्षेत्र जहां बर्फ होने का अनुमान है, और इसके रोवर ने ऐसे प्रयोग किए जो भविष्य के चंद्र मिशनों को जानकारी प्रदान करेंगे। आदित्य–एल1 अब सौर तूफानों का अध्ययन कर रहा है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के मौसम तथा संचार प्रणालियों और बिजली ग्रिड पर इसके प्रभाव को समझने में मदद मिल रही है।

साल 2027 के लिए निर्धारित गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा। लेकिन चालक दल की उड़ान से पहले ही, यह मिशन नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रणालियों का विकास और चालक दल रहित परीक्षण उड़ानें व्यापक प्रभाव उत्पन्न कर रही हैं – अनुसंधान को बढ़ावा दे रही हैं, प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं और राष्ट्रीय गौरव का निर्माण कर रही हैं।

भविष्य पर गौर करते हुए, भारत 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन– भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन– बनाने की योजना बना रहा है। पहला मॉड्यूल 2028 में लॉन्च होने की उम्मीद है, और अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग की हाल की सफलता ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए आवश्यक तकनीकों की पुष्टि की है। यह स्टेशन दीर्घकालिक निवास और अनुसंधान का अवसर देगा, जिससे गहन अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों के लिए द्वार खुलेंगे।

इन बढ़ती महत्वाकांक्षाओं में सहायता देने के लिए, भारत अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) का विकास कर रहा है, जो पृथ्वी की निचली कक्षा में 30,000 किलोग्राम वजन ले जाने में सक्षम है। इसमें पुनः प्रयोज्य चरण और मॉड्यूलर प्रणोदन प्रणाली होगी, जिससे अंतरिक्ष तक पहुँच अधिक किफायती और टिकाऊहो जाएगी। लॉन्च की बढ़ती बारंबारता को संभालने और वाणिज्यिक मिशनों की सहायता करने के लिए श्रीहरिकोटा में एक तीसरा लॉन्च पैड और तमिलनाडु में एक नया स्पेसपोर्ट बनाया जा रहा है।

भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम बेहद सहयोगपूर्ण भी है। नासा के साथ निसार मिशन पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक खतरों की निगरानी करेगा। जापान के साथ लूपेक्स मिशन भारी रोवर के साथ चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों का पता लगाएगा। ये साझेदारियां एक विश्वसनीय वैश्विक अंतरिक्ष भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती हैं।

लेकिन अंतरिक्ष सिफ़ अन्वेषण के बारे में नहीं है – यह ज़िम्मेदारी के बारे में भी है। हज़ारों उपग्रहों के पृथ्वी की परिक्रमा करने के कारण अंतरिक्ष मलबा एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। इसरो का अंतरिक्ष परिस्थिति जागरूकता कार्यक्रम मलबे की रियल–टाइम निगरानी करता है, टक्कर होने से बचने और अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए रणनीति विकसित करता है।

देश के कोने–कोने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रभाव दिखाई दे रहा है। हिमालयी राज्यों में, उपग्रह डेटा भूस्खलन और हिमनदों की गतिविधियों की निगरानी में मदद करता है। तटीय क्षेत्रों में, यह समुद्री संरक्षण और आपदा की तैयारी में सहायता करता है। जनजातीय और दूरदराज के क्षेत्रों में, यह उपग्रह इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल समावेशन को सक्षम बनाता है। खामोशी से हो रही ये क्रांतियाँ – परिवर्तन हैं, जो बिना किसी दिखावे के जीवन को प्रभावित करते हैं।

हम अगले दशक पर गौर करें, तो लक्ष्य स्पष्ट हैंः 2040 तक चालक दल के साथ चंद्रमा पर उतरना, पूरी तरह से चालू अंतरिक्ष स्टेशन, और वैश्विक अंतरिक्ष नवाचार में नेतृत्व की भूमिका। ये केवल सपने नहीं हैं – ये ऐसे राष्ट्र के लिए रणनीतिक अनिवार्यताएँ हैं, जिसने हमेशा समाज को बदलने के लिए विज्ञान की शक्ति में विश्वास किया है।

थुंबा के साइकिल शेड से लेकर कक्षा में डॉकिंग मेन्युवर तक, भारत की अंतरिक्ष यात्रा दृढ़ता, कल्पनाशीलता और अथक प्रयास की दास्तान है। यह एक ऐसी दास्तान है जिसका ताल्लुक हर नागरिक, हर वैज्ञानिक, हर स्वपनद्रष्टा से है। और अब, जबकि हम परिवर्तनकारी शासन के ग्यारह वर्षों का जश्न मना रहे हैं, तो हम एक ऐसे राष्ट्र का भी कीर्तिगान कर रहे हैं जो वास्तव में सितारों तक जा पहुँचा है – और उनकी रोशनी को वापस घर ले आया है।

हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं

श्रुति व्यास

हम खतरनाक समय में जी रहे हैं! और यह न रूपक में, न मनोदशा में, बल्कि मापी जा सकने वाली सच्ची बात है। यह किसी हेडलाइन या चिंता से उपजी अतिशयोक्ति नहीं है। यह विज्ञान है। मानवता अब आत्मविनाश के कितने करीब पहुँच चुकी है, इसका प्रतीक "डूम्सडे क्लॉक" का इस साल 89 सेकंड पर टिकना है, आधी रात के, यानी विनाश के, सबसे नज़दीक।

'बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्सझ के वैज्ञानिकों और नोबेल विजेताओं की समिति ने यह समय इस साल आगे बढ़ाया, इस चेतावनी के साथ कि दुनिया अब परमाणु दुस्साहस, जलवायु अराजकता, तकनीकी अतिरेक और भ्रामक सूचनाओं के दलदल में डूब रही है। उनके शब्दों में – "हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं – रूपक रूप में नहीं, बल्कि नापने योग्य रूप में।"

और यह सब दिखता है। मौसम पागल हो चुका है। इस साल भारत ने ही काफी तबाही झेली, पहाड़ काँपने लगे हैं, नदियाँ विद्रोह कर रही हैं, और शहर अपनी ही महत्वाकांक्षा में घुट रहे हैं।

धरती को इतना खोदा जा चुका है कि ज़मीन अब खोखली महसूस होती है। यहाँ तक कि आसमान भी बदल गया है अब वह शांत, दार्शनिक नीला नहीं जो कभी हमें ठहरकर ऊपर देखने को मजबूर करता था। वह नीला अब जलता है, धुंध और ताप से धुँधला हुआ, जैसे क्षितिज पर खुद प्रकृति ने चेतावनी लिख दी हो।

लेकिन पतन सिफ़ प्राकृतिक नहीं है, वह राजनीतिक भी है और डरावनी बात यह है कि वह लोकतांत्रिक भी है। आज दुनिया की अव्यवस्था केवल तानाशाहों की बनाई नहीं है, उसे लोकतंत्रों ने भी मिलकर गढ़ा है, और शायद परिष्कृत भी किया है। जो देश कभी अंतरराष्ट्रीय नैतिकता के स्थापक थे, वे अब अपने ही घरों में उसे तोड़ रहे हैं। वे संस्थाएँ, जो सत्ता के अतिरेक से नागरिकों की रक्षा के लिए बनी थीं – संसदें, अदालतें, मीडिया, विश्वविद्यालय – वे सब राजनीतिक दबाव या जन–थकान के बोझ तले चरमराने लगी हैं। लोकतंत्रों के पुराने अब संतुलन नहीं बनाते।

वॉशिंगटन में, शासन पार्टीगत नाटक बन गया है। नई दिल्ली में, असहमति को देशद्रोह समझ लिया जाता है। यरूशलम में, न्यायपालिका एक व्यक्ति की इच्छा के आगे झुक जाती है। हमारे समय की अव्यवस्था अब सिफ़ वैश्विक नहीं, संस्थागत भी है, प्रणालीगत और आत्मनिर्मित। जो शुरुआत लोकतंत्र के क्षरण से हुई थी, वह अब उसके नए रूप में कठोर हो चुकी है – यानी प्रदर्शनकारी जनवाद। अब सत्ता चुपचाप नहीं चलाई जाती, उसे रोज़ मंचित किया जाता है टीवी पर, सोशल मीडिया पर, रैलियों में। और जो संस्थाएँ सवाल उठाने के लिए बनी थीं, उन्हें हास्यास्पद बनाकर अप्रासंगिक किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की अनदेखी की जाती है, अंतरराष्ट्रीय संधियाँ कमजोर कर दी गई हैं, और मानवाधिकार अब केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। जो व्यवस्था के रक्षक थे, वही अब उसे अस्थिर करने वाले बन गए हैं, शक्ति और सुविधा की भाषा में क़ानून को फिर से लिखा जा रहा है।इस बीच, महाद्वीपों के पार 110 सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे ज़्यादा। सिफ़ एशिया में ही 21 युद्ध सक्रिय हैं, भारत और पाकिस्तान की पुरानी वैर–दृष्टि, भारत और चीन की जमी हुई सीमाएँ, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान का नया तनाव।

ये दूर की जंगें नहीं हैं, यह पड़ोसियों के बीच की लड़ाइयाँ हैं, नदियों, सीमाओं, गर्व और स्मृति के नाम पर।

1990 के दशक का जो "शांति लाभांश" था, वह अब पूरी तरह उड़ चुका है। युद्ध फिर लौट आया है भाषा बनकर, नीति बनकर, विचारधारा बनकर। यहाँ तक कि यूरोप, जिसने दावा किया था कि उसने अपने युद्धों को बीसवीं सदी के मलबे के नीचे दफना दिया है, अब फिर लहूलुहान है। रूस का यूक्रेन पर आक्रमण उस भ्रम को तोड़ चुका है कि "युद्ध अब इतिहास हैं।" और पश्चिम एशिया तो मानो हमेशा जलता रहता है – ग़ाज़ा, लेबनान, ईरान, यमन – एक संघर्ष पर दूसरा संघर्ष, जब तक विनाश सामान्य नहीं लगने लगता।

बाबिल खान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दिल का दर्द

मशहूर अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर अपने दिल की बातें लोगों के सामने व्यक्त की। बाबिल खान ने अपने इस पोस्ट में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संघर्ष और जीवन की चुनौतियों का जिक्रकिया। बाबिल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, मैंने चुपके से कोई बात नहीं सुनी, यह कांच का घर पतली दीवारों वाला है। मैंने अपने दिल को बाजू पर रखा, अब मेरी टी–शर्ट खून से सनी है। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था, मेरे डर ने मुझे गहरे घाव दिए। अनिद्रा और घबराहट ने मुझे अजीब बातें कबूल करवाईं। मैं मदद के लिए चिल्ला रहा था, अपनी भावनाओं को दबा नहीं पाया। मेरे स्वास्थ्य पर भारी बोझ पड़ा, मेरी आत्मा दबाव से थक गई थी। तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, जबकि मैं अपनी उदासी से जूझ रहा था... रुको...

इस कैप्शन में बाबिल ने अपनी भावनात्मक और मानसिक स्थिति को खुलकर बयां किया। अभिनेता की ये पोस्ट प्रशंसकों के दिल को छू गई। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर तरह–तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

संगीत के 30 वर्षों का जश्न : अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा

11 बार ग्रैमी के लिए नामांकित सितार वादक अनुष्का शंकर अपने लाइव प्रदर्शन के 30 साल पूरे होने पर एक विशेष भारत दौरे की घोषणा कर रही हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर स्न्द्बद्यद्यक्क्ष& के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसकी शुरुआत 30 जनवरी को हैदराबाद से होगी। इसके बाद यह यात्रा बेंगलुरु (31 जनवरी), मुंबई (1 फरवरी), पुणे (6 फरवरी), दिल्ली (7 फरवरी) और कोलकाता (8 फरवरी) में जारी रहेगी। इस टूर द्वारा क्यूरेट और प्रोड्यूस किया गया है और कोटक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। अनुष्का कहती हैं: भारत में हर परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत होता है, लेकिन यह दौरा एक बेहद खास समय पर हो रहा है। इस टूर के साथ हम मिलकर मेरे मंच पर संगीत साझा करने के 30 सालों का जश्न मनाएंगे झ तीन दशक की वृद्धि, जोखिम और नवाचार। इस विशेष टूर के साथ अनुष्का न केवल अपने तीन दशक के संगीत सफर को सेलिब्रेट कर रही हैं, बल्कि अपनी त्रयी को भी पूर्ण रूप से प्रस्तुत कर रही हैं झ एक ऐसी संगीत यात्रा जिसकी शुरुआत भारत से हुई थी और जो पिछले दो वर्षों में चार महाद्वीपों में व्यापक रूप से सराही गई।

टी—20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 20 टीमों के नाम हुए तय

नई दिल्ली , टी20 वर्ल्ड कप का अगला संस्करण साल 2026 की शुरुआत भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस मेगा टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें कुछ के नाम टी20 वर्ल्ड कप 2024 से तय हो गए थे, वहीं बाकी क्वालीफायर राउंड के जरिए अपनी जगह बना रही थी।

वहीं ईस्ट–एशिया पेसेफिक क्वालीफायर 2025 से तीन टीमों के नाम तय होने थे, जिसमें 15 अक्टूबर को नेपाल और ओमान ने जहां अपनी जगह पक्की कर ली थी, जिसके बाद कुल 19 टीमों के नाम तय हो गए थे तो वहीं अब यूएई ने भी मेगा टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह बना ली है, जिसके साथ ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली सभी 20 टीमों के नाम तय हो चुके हैं। ईस्ट–एशिया पेसेफिक क्वालीफायर 2025 में 16 अक्टूबर को सुपर सिक्स में यूएई और जापान की टीम के बीच में अल–अमरात क्रिकेट ग्राउंड में मुकाबला खेला गया। इस मैच में यूएई की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था, जिसके बाद उन्होंने जापान की टीम को 20 ओवर्स में 116 रनों के स्कोर पर ही रोक दिया। यूएई की तरफ से टारगेट का पीछा करते हुए अलिशान शर्फू और कप्तान मुहम्मद वसीम ने शानदार शुरुआत की जिसमें दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी देखने को मिली। इसके दम पर यूएई की टीम ने जहां टारगेट को 12.1 ओवर्स में 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया तो वहीं उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली।

यहां पर देखिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए सभी 20 टीमें

भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, यूएसए, वेस्टइंडीज,आयरलैंड,न्यूजीलैंड,पाकिस्तान,कनाडा, इटली,नीदरलैंड्स, नामीबिया, जिम्बाब्वे, नेपाल, ओमान, यूएई।

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा! अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का पोस्टर जारी

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए

कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए। इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की ज़िंदगी में प्यार भर दे।

किंग कोहली ने फिर जीता दिल, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने से पहले नन्हे फैन को दिया जिंदगी भर का तोहफा

नई दिल्ली ,भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली सिर्फ अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी करोड़ों दिलों पर राज करते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना होने से ठीक पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।बुधवार को शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय वनडे टीम का पहला जत्था ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुआ। टीम इंडिया को वहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। दिल्ली एयरपोर्ट पर जब टीम की बस रवाना हो रही थी, तभी बस में बैठे 36 वर्षीय विराट कोहली की नजर भीड़ में खड़े एक नन्हे फैन पर पड़ी, जिसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्द्ब) की जर्सी पहन रखी थी और हाथ में 'कोहलीझ् का पोस्टर लिए हुए था।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी भारत के नाम, इस शहर में जुटेंगे दुनिया भर के एथलीट

नई दिल्ली ,अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने गुरुवार को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की सिफारिश पर बधाई दी और इसे भारतीय खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को पुष्टि की कि वह 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद शहर के नाम की सिफारिश मेजबान शहर के रूप में करेगी। जय शाह ने एक्स पर लिखा, कॉमनवेल्थ एसोसिएशन द्वारा अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली को मंजूरी देने पर भारत को बहुत–बहुत बधाई। यह भारतीय

खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और देश की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति का प्रमाण है। अहमदाबाद की सिफारिश कॉमनवेल्थ खेल मूल्यांकन समिति की देखरेख में की गई एक विस्तृत प्रक्रिया का अनुसरण करती है, जिसने तकनीकी वितरण, एथलीट अनुभव, बुनियादी ढांचे, शासन और कॉमनवेल्थ खेल मूल्यों के साथ संरेखण सहित कई मानदंडों के आधार पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया।

कॉमनवेल्थ खेल के 'गेम्स रीसेटझ् सिद्धांतों द्वारा तैयार, जो संभावित मेजबानों को नवीनता लाने और सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। भारत (अहमदाबाद) और नाइजीरिया (अबुजा) दोनों ने आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जो कॉमनवेल्थ खेल आंदोलन की महत्वाकांक्षा और क्षमता को दर्शाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आईटीडीए केल्क और बुरांश कौचिंग में दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक नंद किशोर जखमोला, सह निदेशक अनीता जखमोला, जन संपर्क अधिकारी अरविंद दुदपुडी, भारत रावत, मोहित ठाकुर, स्वाती कंडवाल, नेहा रतूड़ी, कसिस, रजनी रावत, नीतेश रावत,सौरभ धनशेला छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर गाड़ीघाट स्थित जेपी इंटर कालेज दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य केलाश चंद्र कुकरेती द्वारा बच्चों को इस दीपावली पर्व की जानकारी दी और भगवान राम के जीवन के बारे में बताया गया। विद्यालय में यह आयोजन धर्मवीर जैरवाण, दीप्ति अग्रवाल, सुप्रीया कुकरेती, जितेन्द्र खत्री, संतोष दिव्याशु मैंदोला, विवेक कुकरेती, चंद्रज्योति बिष्ट, बीना, नितेश, सरिता नेगी, संगीता देवरानी आदि शिक्षकों द्वारा आयोजित किया गया।

कोठी गांव में पिंडर नदी पर पुल बनाने की उठाई मांग

चमोली : नंदकेशरी-जौला सड़क पर भूस्खलन जोन से परेशान ग्रामीणों ने कोठी गांव में पिंडर नदी पर पुल बनाने की मांग की है। जौला की प्रधान मुन्नी देवी ने कहा कि पिंडर नदी के कटाव के कारण करीब दो किमी. सड़क भू-धंसाव की जद में है। यहां सड़क पर दलदल जैसी स्थिति हो गई है। स्थिति यह है कि सड़क से ढाई माह भी आवाजाही बंद है। ग्रामीणों ने कहा कि निरीक्षण में भू-वैज्ञानिकों ने भी इसे भू-धंसाव क्षेत्र माना है। कहा कि कोठी गांव के नीचे पिंडर नदी पर चिड़िंगा में पुल बनने से जहां आठ गांवों को यातायात की सुविधा मिलेगी वहीं पांच किमी. की दूरी भी कम हो जाएगी। ग्रामीण हीरा सिंह, मनोज कुमार, सुरेंद्र सिंह, हरीश मिश्रा, नीरज देवराड़ी ने लोनिवि से यहां जल्द पुल निर्माण की मांग की। (एजेंसी)

जिले में संचालित सभी कार्य प्राथमिकता से होंगे पूरे : डीएम

चमोली : नवनियुक्त जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि अगले साल प्रस्तावित नंदादेवी राजजात यात्रा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इनको तत्परता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने जिले में संचालित सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराने की बात कही। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के विकास कार्यों को गति दी जाएगी। बदरीनाथ मास्टर प्लान, ज्योतिर्मठ ट्रीटमेंट, आपदा प्रभावितों का विस्थापन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी फरियाद लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान तत्काल करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एडीएम विवेक प्रकाश और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में नामांकनं प्रक्रिया संपन्न हो गई है। छः पदों पर नौ प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। अध्यक्ष पद पर तीन प्रत्याशियों ने नामांकन कराया है। 27 अक्टूबर को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए मतदान होगा। अध्यक्ष पद पर सबसे ज्यादा तीन, उपाध्यक्ष पद पर दो और अन्य पदों पर एक-एक प्रत्याशी ने नामांकन किया है। नामांकन पत्रों की 24 अक्टूबर को जांच होगी। मुख्य चुनाव अधिकारी दिनेश चंद्र गैरोला ने बताया कि जिला अधिवक्ता संघ में अध्यक्ष पद पर अनुसूया प्रसाद उनियाल, टीका प्रसाद उपाध्याय व राजेंद्र नेगी, उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मी रावत व कुसुम नेगी ने नामांकन किया है। सचिव पद पर गजेंद्र सिंह रावत, सह-सचिव पद पर स्वप्निल रतूड़ी, कोषाध्यक्ष पद पर अभिषेक सजवाण और पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर विमल अणथ्वाल ने किया है। नामांकन पत्रों की जांच 24 अक्तूबर को की जाएगी। प्रत्याशी 25 अक्तूबर को नाम वापस ले सकते हैं। 27 अक्तूबर को मतदान, मतगणना होगी।

स्वास्थ्य शिविर में 55 लोगों ने कराई जांच

श्रीनगर गढ़वाल : हंस फाउंडेशन की ओर से कीर्तिनगर मलेथा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में दूर दराज क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने आंखों की जांच करवाई। चिकित्सकों ने मरीजों को दवा वितरित कर उन्हें आंखों की देखभाल करने की सलाह दी। कैंप कोऑर्डिनेटर संतोष कुमार ने बताया कि शिविर में 55 ग्रामीणों ने लाभ उठाया। नेत्र चिकित्सक डॉ. भूपेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर में 30 लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए,

धनतेरस पर बाजार में बरसा धन, खूब हुई खरीददारी

दीपावली से पूर्व धनतेरस पर कोटद्वार बाजार में दिखा उत्साह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार के गोखले मार्ग में खरीददारी के लिए उमड़ी ग्राहकों की भीड़

कोटद्वार : दीपावली से पहले धनतेरस को लेकर बाजार में उत्साह देखने को मिला। लोगों ने बाजार पहुंचकर खूब खरीददारी की। ग्राहकों की भीड़ को देख व्यापारियों के भी चेहरे खिल उठे। इस दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पुलिस को पसीना बहाना पड़ा।

दीपावली से पूर्व धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इसके लिए व्यापारी पिछले कई दिनों से तैयारी कर रहे थे। यही कारण था कि शनिवार को धनतेरस पर्व पर आटोमोबाइल कारोबार में अच्छी चमक रही। जीएसटी की दरें घटने के बाद वाहनों के दामों में काफी गिरावट देखने को मिली। इलेक्ट्रानिक, मोबाइल सहित अन्य सामन में आकर्षक आफर दिया जा रहा था। पूर्वाह्न होते-होते बाजार में भीड़ होने लगी थी। शाम के समय बाजार में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। ज्वैलर्स की दुकान में भी आभूषण खरीदने वालों की भीड़ उमड़ी हुई थी। चांदी के सिक्कों के साथ ही लक्ष्मी-गणेश की चांदी व मिट्टी की प्रतिमाएं भी काफी खरीदी गई। युवाओं में नए मोबाइल खरीदने को लेकर भी खासा उत्साह देखा गया। शहरवासियों ने देर शाम तक बाजार में खरीददारी की। सबसे अधिक भीड़ इलेक्ट्रानिक व कपड़े की दुकान में देखने को मिली। वहीं, व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पुलिस को पसीना बहाना पड़ा। ग्राहकों की सबसे अधिक भीड़ नजीबाबाद रोड, झंडाचौक, गोखले मार्ग, स्टेशन रोड, पटेल मार्ग में देखने को मिली। ग्राहकों को लुभाने के लिए व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को आकर्षक रूप से सजाया हुआ था।

विद्यार्थियों को मिला कमला नेहरू मेधावी सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

विद्यालय के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित करते सदस्य

कोटद्वार : रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर के अव्वल विद्यार्थियों को स्व. कमला नेहरू मेधावी छात्र सम्मान दिया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें 15 लोगों ने रक्तदान किया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भगवंत ग्लोबल विश्व विद्यालय के वाइस चांसलर डा. पीएस राणा, विशिष्ट अतिथि तहसीलदार साक्षी उपाध्याय, एएचटीयू की प्रभारी सुमनलता, स्व. रितेश शर्मा की माता मिनाक्षी देवी व पिता राधेश्याम शर्मा, प्रबंधक केपी नैथानी व प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। रक्तदान शिविर से पूर्व 33 विद्यार्थियों को स्व. कमला नेहरू सम्मान दिया गया। जिसमें 14 हाईस्कूल व 19 इंटरमीडिएट के विद्यार्थी शामिल रहे। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति भी जागरूक किया। कहा कि दुनिया में सबसे बड़ा दान रक्तदान ही है। हर जरूरतमंद को समय पर रक्त उपलब्ध हो इसके लिए हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन रोहित बलोदी ने किया।

बाजार से चलेंगी पांच टैक्सियां, 15 मिनट ही खड़े रहेंगे पर्यटकों के वाहन

चमोली : व्यापार संघ और टैक्सी यूनियन के बीच बाजार में टैक्सियों को खड़ा करने को लेकर उपजा विवाद सुलझ गया है।

नवनियुक्त थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया की मौजूदगी में आयोजित बैठक में बाजार से पांच टैक्सियों का संचालन करने, रोडवेज की बसों के लिए जगह आरक्षित करने और पर्यटकों के वाहनों को 15 मिनट तक बाजार में खड़ा रखने पर सहमति बनी।

बाजार में आड़े तिरछे खड़े वाहनों से आए दिन जाम लगने की समस्या को लेकर व्यापार संघ ने बाजार में नो पार्किंग का बोर्ड लगा दिया था।

इससे नाराज टैक्सी यूनियन ने प्रदर्शन किया था। व्यापारियों ने टैक्सियों का संचालन पार्किंग से करने की मांग की थी तो वहीं टैक्सी यूनियन ने नंबर वाली टैक्सियों को बाजार से संचालित करने की मांग की। अब शनिवार को थानाध्यक्ष ने विनोद चौरसिया ने व्यापार संघ व टैक्सी यूनियन के साथ बैठक की। व्यापार संघ अध्यक्ष चंद्र सिंह रावत ने बताया कि चर्चा के बाद कई निर्णय लिए गए।

इसके तहत दिवाली के बाद बाजार से रोटेशन की पांच टैक्सियों का संचालन करने, अन्य टैक्सियों को बाजार में सवारी उतारकर पार्किंग में खड़े करने, बड़े वाहनों से शाम चार बजे के बाद सामान चढ़ाने व उतारने, सवाड़, लौसरी, घेस की टैक्सियों का संचालन बाजार के अंतिम छोर ट्रांसफार्मर के पास से करने, दोपहिया वाहनों को बाजार में नाली की तरफ खड़ा करने, व्यापारियों का सामान नाली से बाहर रखने पर कार्रवाई करने समेत कई निर्णय लिए गए। बैठक में व्यापार संघ अध्यक्ष चंद्र सिंह रावत, टैक्सी यूनियन के रोटेशन अध्यक्ष करण सिंह रावत, व्यापार संघ के जिला उपाध्यक्ष केडी मिश्रा, पुष्कर बिष्ट, गोविंद बिष्ट, चंद्रमोहन मिश्रा और हेम चंद्र आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

विद्यार्थियों ने क्विज प्रतियोगिता में किया प्रतिभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड पोखड़ा के अंतर्गत पब्लिक इंटर कालेज लियाखाल में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पोखड़ा प्रखंड के अंतर्गत विद्यालय परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में नौ विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज किमगडी ने प्रथम, राजकीय इंटर कालेज दमदेवल ने द्वितीय और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पालीधार ने तृतीय स्थान रहा। निर्णायक मंडल में राजेंद्र सिंह नेगी, पंकज कुमार ध्यानी, पंचदेव कुमार शामिल रहे। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका शालिनी रावत, सुभाष घनसेला, सुधीर सुंद्रियाल, विपिन गुसाई, जयदेव सिंह, बलबीर रावत, सुमन ढौंडियाल, सुमन भारती, मंजू नेगी, पूजा नेगी आदि उपस्थित रहे।

अण्थ्वाल ने समाप्त किया अनशन, धरने पर डटे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

चिल्लखाल में राजाराम अण्थ्वाल को जूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाते पुलिस व प्रशासन के अधिकारी

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर माग निर्माण के लिए अनशन पर बैठे राजाराम अण्थ्वाल का अनशन शनिवार को समाप्त हो गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी व तहसीलदार ने अण्थ्वाल को जूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाया। हालांकि, धरना स्थल पर अब भी कुछ लोग डटे हुए हैं।

मालूम हो कि, लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए क्षेत्रवासी कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। पिछले एक माह से शहर में आक्रोश रैली व चिल्लरखाल में धरना दिया जा रहा है। दो सप्ताह पूर्व प्रवीन थापा व संजय रावत ने तीन दिन की भूख हड़ताल की थी। इसके बाद पूर्व सैनिक राजाराम अण्थ्वाल पिछले एक सप्ताह से अनशन पर डटे हुए थे। लगातार अनशन कर रहे राजाराम अण्थ्वाल के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट होने लगी। जिसके बाद पुलिस क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल व तहसीलदार साक्षी उपाध्याय धरना स्थल पर पहुंचे और अनशन समाप्त करने की अपील की। उन्होंने नारियल का जूस पिलाकर अण्थ्वाल का अनशन समाप्त करवाया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने भी अण्थ्वाल के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें 108 के माध्यम से राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया। राजाराम अण्थ्वाल का अनशन समाप्त होने के बाद भी लोग धरना स्थल पर डटे हुए हैं। लोगों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती उनका आंदोलन जारी रहेगा।

ट्रैफिक प्लान लागू, मुख्य मार्गों पर जाम

दीपावली के मद्देनजर कोटद्वार में लागू किया गया नया प्लान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार के देवी रोड में लगा वाहनों का लंबा जाम

कोटद्वार : दीपावली पर्व पर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पुलिस का प्लान लागू हो गया है। शनिवार को बाजार में तो व्यवस्थाएं बेहतर रही। लेकिन, बाजार को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों पर पूरे दिन जाम की स्थिति बनी हुई थी।

दीपावली को लेकर पुलिस की ओर से कुछ दिन पूर्व यातायात प्लान लागू किया गया था। पुलिस का यह प्लान शनिवार को लागू किया गया। इसके तहत पहाड़ से आने वाले वाहनों को तहसील के समीप से पटेल मार्ग से होते हुए लालबत्ती चौक के लिए भेजा जा रहा था। नजीबाबाद की ओर से आने वाले वाहनों को मोटर नगर के समीप से पटेल मार्ग की ओर भेजा जा रहा था। शाम के समय बाजार में भीड़ बढ़ने के बाद झंडाचौक में दोपहिया वाहनों की आवाजाही भी पूरी तरह बंद कर दी गई थी। झंडाचौक में बेरिकेटिक कर वाहनों को स्टेशन रोड होते हुए नजीबाबाद चौराहे की ओर भेजा जा रहा था। ट्रैफिक प्लान को लागू करवाने के लिए पुलिस की ओर से सड़क पर अतिरिक्त फोर्स उतारा गया था। मुख्य बाजार में तो स्थिति ठीक थी। लेकिन, बाजार से जुड़ने वाले देवी रोड, पटेल मार्ग व नजीबाबाद रोड में जाम की स्थिति बनी हुई थी। देवी रोड में सुबह दस बजे से वाहन रेंग-रेंग कर चल रहे थे। कई बार भयंकर जाम की स्थिति भी बन रही थी। हालांकि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बाजार को जोड़ने वाले मार्गों पर भी पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी। भीड़ बढ़ने पर रविवार को भी पुलिस का यही यातायात प्लान लागू रहेगा।

वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक धूम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सतपुली स्थित सेंट पाल कॉन्वेंट स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य सचिव खंड शिक्षा अधिकारी द्वारीखाल सुरेंद्र सिंह नेगी व नगर पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी, पंजाबी, गढ़वाली सहित अन्य गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक जोसफ, प्रधानाचार्य जैसलीन आदि मौजूद रहे।

भालू की दहशत: महिलाएं गोशाला व खेतों में समूह में जा रही हैं

अमरूद, अखरोट के पेड़ काट रहे हैं लोग

उत्तरकाशी : भटवाड़ी विकासखंड के गणेशपुर गांव में ग्रामीणों को भालू के डर से अपनी आजीविका के साधन अमरूद और अखरोट के पेड़ काटने पड़ रहे हैं। हालांकि वन विभाग के कर्मचारी रात को पटाखे फोड़कर भालुओं को भगा रहे हैं। महिलाओं को समूह बनाकर गोशला व खेतों में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। गणेशपुर गांव के ग्राम प्रधान अरविंद रावत ने बताया कि उनके गांव में लंबे समय से भालू की दहशत बनी हुई है। भालू अमरूद और अखरोट खाने के लिए गांव में पहुंच रहा है। ग्रामीणों के लिए हर समय खतरा बना हुआ है। वहीं ग्रामीण महिलाएं अपनी गोशालाओं व खेतों में झुंड में जा रही हैं। वहीं स्कूली बच्चों की आवाजाही में भी खतरा बना हुआ है। रावत ने बताया कि गांव में कुछ ग्रामीण अमरूद और अखरोट आदि का उत्पादन कर अपनी आजीविका चलाते हैं, लेकिन अब उन्हें भालू के डर से ये पेड़ काटने पड़ रहे हैं। वनकर्मी ग्रामीणों से अपील कर रहे हैं कि वे अकेले जंगल और गोशाला की ओर न जाएं। अरविंद रावत का कहना है कि वन विभाग के छोटे कर्मचारी अपनी ड्यूटी कर रहे हैं लेकिन उच्च अधिकारियों ने अभी तक एक बार भी निरीक्षण नहीं किया है। उन्होंने भालू को पकड़ने के लिए उचित कार्रवाई की मांग की है। वन बीट अधिकारी शिवेंद्र चौहान, संदीप, प्रदीप ने बताया कि गणेशपुर गांव में लगातार गश्त की जा रही है। वहीं पटाखों से भालू को भगाने की कोशिश जारी है। (एजेंसी)

विज्ञान नाटक में जइंकॉ चैड चैनपुर ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नैनीडांडा ब्लॉक के राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज पटोटिया में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया। विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि दूसरा स्थान राजकीय इंटर कॉलेज कोचियार, तीसरा स्थान जनता इंटर कॉलेज नैनीडांडा ने प्राप्त किया।

विद्यालय की छात्राओं ने धनपाल सिंह रावत के कुशल मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। इस उपलब्धि के साथ जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर का चयन जिला स्तरीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। टीम में छात्रा मोनिका (कक्षा 10, सोनिका (कक्षा 10), रिया (कक्षा 10), भूमिका (कक्षा 10), सिमरन (कक्षा 9), सोनाक्षी (कक्षा 9), संजना (कक्षा 6) शामिल थी। सतत कृषि उप विषय में मंयक रा.क.उ.मा. डुगरी, कनक बिष्ट रा.आ.इं.कॉ. धुमकोट क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे। हरित ऊर्जा उप विषय में शुभम रावत रा.उ.प्रा.वि. मुस्याखांद, करन रा.उ.मा.वि. मोक्षण, वरूण रा.इं.कॉ. चमाडा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। उभरती प्रौद्योगिकियों उप विषय में कार्तिक रावत राजकीय इंटर कॉलेज धुमाकोट ने प्रथम स्थान हासिल किया। मनोरंजक गणितीय मॉडलिंग उप विषय में ईशा रावत रा.उ.मा.वि. चिलाऊं पहले, संजना रा.उ.मा.वि. अमोलासेरा दूसरे स्थान पर रही। स्वास्थ्य और स्वच्छता उप विषय में प्रियांशु देवालाल रा.उ.मा.वि. कालिंकाखाल, अक्षित मधवाल ज.इं.कॉ. नैनीडांडा, अक्षित रावत रा.उ.मा.वि. चिलाऊं क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। जल संरक्षण और प्रबंधन उप विषय में प्रत्याक्षा ध्यानी अ.उ.रा.इं.कॉ. रिंरैरीखाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर उप खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार, प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाचार्य राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज पटोटिया प्रवीण कुमार ध्यानी, प्रधानाचार्य जनता इंटर कॉलेज चैड चैनपुर धनपाल सिंह रावत, प्रधानाध्यापक रा जूनियर हाई स्कूल मुस्याखाद गबर सिंह बिष्ट, ब्लॉक विज्ञान समन्वयक शशिभूषण सिंह बिष्ट, गीताजंलि बिष्ट, ममता बिष्ट, गबर सिंह बिष्ट, सत्य प्रकाश काला, कीर्ति चौहान, श्रीमती रूचिता, विकास, दीपिका पाण्डे, संदीप कुमार, लक्ष्मी कंडारी आदि मौजूद थे।

स्कूलों में चलेगा एनिमिया मुक्त अभियान

रुद्रप्रयाग : किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर स्वास्थ्य, शिक्षा व बाल विकास विभाग की ओर से संयुक्त बैठक की गई। तय किया गया कि शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों में होने वाले जागरूकता कार्यक्रमों का रोस्टर तैयार किया जाएगा। इसी क्रम में 27 अक्तूबर को सभी विद्यालयों में एनिमिया मुक्त भारत कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। जिले के 922 सरकारी व निजी विद्यालयों में मासिक धर्म स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत काउंसलिंग व जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। सीएमओ डॉ. सीमा टेकचंदानी ने कहा कि कार्यक्रम के लिए आशाओं और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाएगा। मुख्य शिक्षा अधिकारी पीएस बिष्ट ने कहा कि अभियान के लिए जल्द रोस्टर तैयार किया जाएगा। इस मौके पर नोडल अधिकारी भगत सिंह, प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह नेगी, ललित मोहन, शशि मोहन उनियाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक हिमांशु नौडियाल, विपिन सेमवाल, मूल्यांकन एवं निगरानी अधिकारी नागेश्वर बगवाड़ी और प्रियंका उछोली आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

स्वस्थ रहने के लिए मोटे अनाज का सेवन जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : आठवें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर बाल विकास कार्यालय थलीसैंण में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार विषय पर पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती साम्बरी भट्ट ने पोषण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज जैसे ज्वार बाजरा का सेवन करना चाहिए, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से पाचन में सुधार होता है, ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है और हड्डियां मजबूत होती हैं।

उन्होंने कहा कि पोषण के लिए घरेलू साग-सब्जी का स्तेमाल करना अति आवश्यक है। इस अवसर पर बीना जोशी, सुपरवाइजर मुकेश, एएनएम कार्यकत्री शोभा देवी, सरोजनी देवी, विमला देवी, पुष्पा देवी, दीपा देवी, विनीता देवी, बागेश्वरी देवी, विछना देवी, बबली देवी, अम्बा देवी, सुषमा भट्ट, ज्योति देवी आदि मौजूद थे।

जसपाल राणा स्पोर्ट्स कॉलेज दून व गोपेश्वर महाविद्यालय की टीम जीती

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय टेबल टेनिस बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला जसपाल राणा स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून व बालिका वर्ग का मुकाबला राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर की टीम ने जीता। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी के बहुद्देशीय भवन में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गई। बालक वर्ग प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जसपाल राणा स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून और पीजी कॉलेज कोटद्वार के बीच खेला गया जिसमें जसपाल राणा स्पोर्ट्स कॉलेज ने 2–1 जीत दर्ज की। बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर और नई टिहरी महाविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें गोपेश्वर ने नई टिहरी को 3–1 के अंतर से हराकर फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया। बालिका–बालक वर्ग के एकल मुकाबले जसपाल राणा स्पोर्ट्स कॉलेज के खिलाड़ियों के बीच खेला गया। बालिका वर्ग में लगन यादव ने महक को 2–1, बालक वर्ग में आर्यन रावत ने रोहित राठौर को 2–1 से हराकर जीत हासिल की। नई टिहरी महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो॰ पुष्पा नेगी और क्रीड़ा सचिव पुष्कर गौड़ ने विजेता, उप विजेता टीमों व खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में सुमित जोशी, बासु, यशपाल सिंह कोहली, रानी राजभर ने निर्णायक भूमिका निभाई।

क्षेत्र पंचायत सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : विकासखंड थलीसैंण में नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्यों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सदस्यों को पंचायती व्यवस्था और सरकारी योजनाओं के कुशल संचालन में सक्षम बनाना है। इस दौरान क्षेत्र के विकास में सदस्यों की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया।

ब्लॉक सभागार में 14 से 18 अक्टूबर 2025 तक नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान पंचायती राज अधिनियम, क्षेत्र पंचायत के अधिकार, कर्तव्यों, समितियों के कार्यों के साथ-साथ 73वें संविधान संशोधन की जानकारी दी गई। साथ ही सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र पंचायत के विकास में सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण है और सभी को मिलकर अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय होना होगा।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:-

1	ई-निविदा एनआईटी संख्या	17-EI C-MB-PQR-2x25KV-142
2	कार्य का नाम	पंजाब राज्य के तीन 2x25 केवी. ट्रैक्शन सब-स्टेशन (सिहेडू, दसूहा, सुल्तानपुर) के लिए पावर क्वालिटी रेस्टोरर की आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग व सम्पूर्ण स्थापना।
3	कार्य पूरा करने की अवधि	24 (चौबीस) माह
4	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 26,12,04,853.07
5	बोली प्रतिभूति (ऑन लाईन) जमा कराने के लिए	₹ 15,56,000/-
6	ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 14.11.2025 समय 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 14.11.2025 समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
7	निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेब साईट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 31.10.2025 से 14.11.2025 तक उपलब्ध होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई है। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

प्रपत्र सं. 17-EI C-MB-PQR-2x25KV-142 दिनांक 16.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3223/25

संक्षिप्त समाचार

छात्रों को वितरित किए ट्रैकशूट

श्रीनगर गढ़वाल : धनतेरस पर विकासखंड खिर्सू के राजकीय इंटर कॉलेज मरखोड़ा में अरण्यक जनसेवा संस्था की ओर से छात्र-छात्राओं को ट्रैकशूट, पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई। मुख्य अतिथि स्वामी नित्यबोधानंद सरस्वती ने कहा कि विद्या का अर्थ केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारकर समाज के कल्याण में लगाना ही सच्चा ज्ञान है। सुनील योगाचार्य ने छात्रों को समय प्रबंधन और आत्मविकास के सूत्र भी बताए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मनोज काला ने किया। प्रधानाचार्य कैलाश पुंडीर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष गबर सिंह भण्डारी, सुनील बहुगुणा, जयप्रकाश डिमरी, नवीन कुमार रतूड़ी, देवेंद्र सिंह रावत, अरुणा नौटियाल, बबीता भूषण, नरेंद्र कोठारी, रविंद्र बड़थ्वाल आदि मौजूद रहे।

कुशलानाथ बनें संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष

श्रीनगर गढ़वाल : असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आरटीआई कार्यकर्ता कुशलानाथ ने की। इस अवसर पर उत्तराखंड संगठित श्रमिक कामगार कल्याण संस्था के नाम से संगठन बनाया गया। कुशलानाथ को संगठन का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया। इसका प्रस्ताव जगमोहन रावत ने रखा और अनुमोदन आराधना ने किया। उपाध्यक्ष रोशनी जोगियाल, सचिव आराधना, कोषाध्यक्ष नीतू देवी, संरक्षक जगमोहन सिंह रावत व वरिष्ठ सदस्य संजय कैंथोला को बनाया गया। कानूनी सलाहकार की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिवक्ता अनूपश्री पांथरी को दी गई। बैठक में भागीरथी, कुसुम कंडारी, सविता देवी, ललिता आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

तीर्थ पुरोहित ध्यानी के निधन पर जताया शोक

श्रीनगर गढ़वाल : देवस्थानम बोर्ड सदस्य व बदरीनाथ धाम भाजपा मंडल के 15 वर्षों तक अध्यक्ष रहे वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित विजय ध्यानी के आकस्मिक निधन पर शोक की लहर दौड़ गई। वह 79 वर्ष के थे। वह देवप्रयाग व बदरीनाथ के कई जन आंदोलनों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे थे। बदरीनाथ धाम तप्तकुंड आंदोलन में वह जेल भी गए। वहीं, धाम में जैन मन्दिर निर्माण के विरोध में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी। मूल रूप से लीह गांव निवासी विजय ध्यानी बाह बाजार, देवप्रयाग में निवास करते थे। श्री बदरीश पंडा पंचायत, बदरीश युवा पुरोहित संगठन, देवप्रयाग नगर व ग्रामीण भाजपा मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विजय ध्यानी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक जताया है। (एजेंसी)

डॉ. यादव का निर्णायक के लिए चयन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हीरालाल यादव का चयन आगामी 24 से 26 अक्तूबर तक रांची में आयोजित होने वाली सैफ (एसएएएफ) एथलेटिक्स प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में हुआ है। डॉ. यादव इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभा चुके हैं। वह देश के चुनिंदा एथलेटिक्स अधिकारियों में सम्मिलित हैं, जिन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स की ब्रॉन्ज स्तर की परीक्षा क्वालीफाई की है। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. ओपी गुसाईं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए इसे विश्विद्यालय के लिए भी उपलब्धि बताया। (एजेंसी)

दीपावली की छुट्टी लेकर घर जा रहे जवान की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

चंपावत। दीपावली की छुट्टी लेकर घर जा रहे 14वीं बटालियन आईटीबीपी जाजरदेवल (पिथौरागढ़) में तैनात जवान की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक जवान हरियाणा का रहने वाला है। वह पिछले दो वर्ष से पिथौरागढ़ में ड्यूटी में तैनात था। जवान के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद उसे ससम्मान उसके घर हरियाणा भेज दिया गया है।34 वर्षीय संजय यादव, निवासी रेवाड़ी हरियाणा शनिवार को दीपावली की छुट्टी लेकर घर जाने के लिए अपने साथी आरक्षी प्रवीण के साथ पिथौरागढ़ से टैक्सी में टनकपुर की ओर निकला। टनकपुर–पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिन्याड़ी के पास चालक ने होटल में खाना खाने के लिए टैक्सी रोकी। टैक्सी में सवार यात्री खाने खाने के लिए उतर गए, लेकिन जवान संजय यादव अचेत पड़ा रहा। उसके साथी ने उसे उठाने का प्रयास किया ।

किशोर स्वास्थ्य व पोषण को लेकर होगा एकजुट प्रयास

स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास विभाग 922 स्कूलों में चलाएंगे अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : किशोर स्वास्थ्य व पोषण पर स्वास्थ्य, शिक्षा व बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही अलग-अलग योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए एकजुट प्रयास होगें। इसके तहत तीनों विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर स्कूल स्तर पर होने वाली गतिविधियों को संपादित करते हुए जनपद के 922 सरकारी व निजी विद्यालयों में मासिक धर्म स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत काउंसलिंग व जागरूकता कार्यक्रम करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने एनीमिया से बचावों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 27 अक्टूबर से निजी विद्यालयों में इस कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी। जिसके बाद शिक्षा विभाग के सहयोग से निर्धारित खुराक प्रत्येक सोमवार को खिलाई जाएगी।

किशोर स्वास्थ्य व पोषण को लेकर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देशन में विकास भवन सभागार में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत पोषण सुधार, योन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, चोट एवं हिंसा से बचाव, मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव व गैर संचारी रोगों से बचाव को लेकर स्कूल भ्रमण कर काउंसलिंग की जाती है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा व बाल विकास विभाग द्वारा स्कूल स्तर पर होने वाली गतिविधियों को आपसी समन्वय से संचालित की जाती है। तय किया गया कि शिक्षा विभाग विद्यालय में होने वाली अपनी गतिविधियों के रोस्टर से अवगत कराएगा, जिससे कि अन्य विभाग भी अपनी गतिविधियों को उस विद्यालय में संपादित करेंगे। मुख्य शिक्षा अधिकारी पीएस बिष्ट ने दिव्यांग बच्चों का दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने की व्यवस्था करने का स्वास्थ्य विभाग से अनुरोध किया, जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा संबंधित दिव्यांग को प्रत्येक माह की दो तारीख को जिला चिकित्सालय में होने वाले दिव्यांग कैंप में भेजने की अपील की। साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा सेनेटरी नैपकिन की विद्यालय स्तर पर उपलब्धता करवाने की मांग पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सहमति व्यक्त की गई। बताया कि संबंधित विद्यालय क्षेत्र की आशाओं एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ती को इस संबंध में निर्देशित किया जाएगा। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी, राइका रूद्रप्रयाग से आरबीएसके नोडल शिक्षक भगत सिंह, प्रधानाचार्य अनूप नेगी मेमोरियल पब्लिक स्कूल देवेंद्र सिंह नेगी, अतुल मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ललित मोहन, प्रधानाचार्य विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलणी शशि मोहन उनियाल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम हिमांशु नौडियाल, आरकेएसक काउंसलर विपिन सेमवाल, मूल्यांकन एवं निगरानी अधिकारी नागेश्वर बगवाड़ी, बाल विकास विभाग से प्रियंका उच्छोली, सोनम भंडारी मौजूद रहे।

दीपावली पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने ली बैठक

अल्मोड़ा। दीपावली पर्व के दृष्टिगत में जनपद वासियों की सुरक्षा एवं सेहत के दृष्टिगत जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक बैठक की। कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने दीपावली पर्व के दौरान नागरिक सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये है कि 108 एम्बुलेंस सेवा, चिकित्सालयों के आपातकालीन वार्ड, ट्रामा और बर्न यूनिट तथा ब्लैड बैंक सहित सभी आपातकालीन सेवाएँ 24 घन्टे तत्पर रखें। साथ ही दीपावली पर्व के दौरान आपातकालीन कवरेज के लिए चिकित्सालयों में पर्याप्त स्टाफ की तैनाती एवं ड्यूटी रोस्टर तैयार कर लिया जाय। आग, सड़क दुर्घटना या किसी अन्य दुर्घटना की स्थिति में समय पर प्रतिक्रिया के लिए अग्निशमन, पुलिस और परिवहन विभागों के साथ समन्वय स्थापित करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये है कि जिला नियंत्रण कक्षों, 108 कमांड सेन्टर और स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच संचार चैनलों का समुचित संचालन सुनिश्चित रखा जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने पटाखा बाजारों के संचालन के लिए भी संबंधितों को निर्देश दिए कि पटाखा बाजार नियमों के तहत ही लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि पटाखा बाजारों को निर्धारित स्थानों पर ही लगाया जाए। कहा कि इन बाजारों में अग्नि शमन और सुरक्षा के कड़े इंतजाम रखे जाएं। किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित कार्यवाही की जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने फूड सेफ्टी अधिकारी के लिए भी निर्देश जारी किए कि खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की रैंडमली जांच की जाए जिससे जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो सके। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चंद्र तिवारी, प्रिंसिपल राजकीय मेडिकल कॉलेज डॉ सीपी भैंसोड़ा, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक जीडी जोशी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल, अग्निशमन अधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मंडी में धान की तौल न होने पर भड़के किसान, धरने पर बैठे

रुद्रपुर। शुक्रवार को मंडी में कच्चे आढ़ती की एक ट्रॉली धान की तौल न होने से नाराज किसानों ने शनिवार सुबह नवीन अनाज मंडी में जाम लगाकर धरना शुरू कर दिया। अराजनैतिक किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सालविंदर सिंह कलसी के नेतृत्व में किसानों ने सुबह नौ बजे मंडी के दोनों गेट बंद कर दिए। देखते ही देखते मंडी परिसर ट्रॉलियों से भर गया और जाम की स्थिति बन गई। सूचना पर तहसीलदार लीना चंद्रा धामी मौके पर पहुंचीं और स्थिति की रिपोर्ट एसडीएम को दी। इसके बाद एसडीएम ऋचा सिंह और आरएमओ लता मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर किसानों व राइस मिलर्स से वार्ता की। किसानों ने बताया कि शुक्रवार को एक राइस मिल ने दो ट्रॉलियां तौल लीं, लेकिन तीसरी ट्रॉली वापस लौटा दी थी। इसको लेकर उन्होंने शुक्रवार को ही एसएमआई के पास जाकर विरोध जताया

था। जब शनिवार को भी तौल शुरू नहीं हुई तो किसानों ने धरने का निर्णय लिया। आरएमओ लता मिश्रा ने राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल सिंह को मौके पर बुलाया और दोनों पक्षों के बीच वार्ता कराई। हालांकि काफी देर तक चर्चा चलती रही, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। अंततः एसडीएम के अनुरोध पर राइस मिलर्स ने देर शाम से तौल शुरू करने पर सहमति दी। आरएमओ ने बताया कि पुरानी मंडी में पांच नए तौल केंद्र भी शुरू किए गए हैं, जिन पर रोजाना चार से पांच ट्रॉलियों की तौल की जाएगी। धरनास्थल पर अराजनैतिक किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सालविंदर सिंह कलसी, राजेंद्र सिंह मक्कड़, विक्रम सिंह गोराया, सुरजीत कुमार, राजेंद्र कंबोज, संजय सिंह, अमन बठला, सुखविंदर सिंह बठला, विनोद गुंबर, अनिल नारंग, धर्मचंद खेड़ा आदि रहे।

पेयजल टैंकों की सफाई सुनिश्चित करें

अल्मोड़ा। मीडिया तथा जनता के माध्यम से कतिपय पेयजल टैंकों की सफाई न करने संबंधी शिकायतों का जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जारी किए गए पत्र में कहा है कि जनपद अन्तर्गत वर्षा के मौसम के पश्चात् पेयजल टैंकों की सफाई न होने के कारण दूषित जल की आपूर्ति संबंधी शिकायतें उनके संज्ञान में आई हैं। जिस कारण समस्त जनता को जल जनित रोगों का सामना करना पड़ रहा है। जो एक गम्भीर समस्या है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति जनहित में उचित नहीं है। उपरोक्त के दृष्टिगत उन्होंने पेयजल से संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए जिन टैंकों कि सफाई नहीं हुई है, उन टैंकों कि सफाई नियमानुसार करना सुनिश्चित करें।

लोहाघाट की पटाखा बाजार में उमड़ी भीड़

चम्पावत। दीपावली पर्व पर नगर लोहाघाट के नेहरु पार्क में पाटाखा बाजार सज गई है। शनिवार को दिन भर पटाखा बाजार में भीड़ रही। आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए दमकम विभाग ने कमर कस ली है। प्रशासन और दमकल विभाग ने पटाखों की दुकानें लगाने वाले व्यापारियों को कड़ी शर्तों के बीच लाइसेंस जारी किए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

एसडीएम नीतू डांगर ने बताया कि प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग और व्यापारियों की बैठक में सर्व सम्मति से नगर के जवाहर पार्क में पटाखों की दुकानें लगाने के लिए स्थान कर चयन किया था। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी लिडिंग फायर मैंन हंसराज ने बताया कि पटाखों की दुकानें लगाने के लिए चंपावत में 50 लोहाघाट में 50

खेतीखान 10, पाटी 20 और बाराकोट में 15 लोगों को अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटना से निपटने के लिए पटाखा व्यापारियों को दुकानों में पानी, बालू, अग्निशमन उपकरण रखने के साथ दुकानों के बीच दूरी बनाने नाबालिग बच्चो को पटाखे की दुकान में नहीं बैठाने आदि निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटना से निपटने के चंपावत और लोहाघाट में एक फायर यूनिट तैनात की गई है। जबकि एक बैक पैक सैट मोबाइल टीम खेतीखान, पाटी, देवीधुरा आदि का भ्रमण कर रही।

धनतेरस पर भीड़.. यातायात व्यवस्था बेपटरी

ऋषिकेश। धनतेरस पर खरीदारों की भीड़ उमड़ने से ऋषिकेश में शनिवार को यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई। सुबह से देर रात तक जहां सड़कों पर ट्रैफिक हांफता दिखा। वहीं दोपहर के समय ट्रैफिक स्लो रहा। सड़कों पर वाहन रेंगते हुए चले। भीड़ के आगे जयराम चौक से चंद्रभागा पुल तिराहे तक लागू जीरो ट्रैफिक जोन से भी लोगों को राहत नहीं मिली। शाम को बाजार में बेतहाशा भीड़ बढ़ने पर सवारी वाहनों को मुख्य मार्ग से डायवर्ट करना पड़ा। फिर भी लोगों को जाम में जूझना पड़ा। धनतेरस से लेकर दीपावली पर्व तक पुलिस ने नगर क्षेत्र में ट्रैफिक को सुचारु रखने के लिए शनिवार को ट्रैफिक प्लान लागू किया। इसमें सुबह से ही सवारी वाहन ई–रिक्शा, टेंपो और ऑटो के लिए मुख्य मार्ग हरिद्वार रोड से जयराम चौक से लेकर चंद्रभागा पुल तक जीरो ट्रैफिक जोन था। बावजूद, मार्ग

पर वाहनों का दबाव इतना बढ़ा कि सुबह और शाम जाम के हालात बन गए। दिन में भी स्लो ट्रैफिक की समस्या से बाजार में खरीदारी को पहुंचे लोगों को दो–चार होना पड़ा। वहीं, शाम को धनतेरस पर खरीदारी को बाजार में हुजूम उमड़ने के चलते दोपहिया वाहनों के लिए श्रीभरत मंदिर परिसर, बड़ा बाजार और पंजाब एंड सिंध क्षेत्र धर्मशाला में बनी अस्थायी पार्किंग भी फुल हो गई। मुख्य मार्ग पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस व होमगार्ड जवान जद्दोजहद करते दिखे, तो शाम को पुलिस को पुरानी चुंगी और पुराना बस अड्डा से वाहनों को डायवर्ट भी करना पड़ा। आंतरिक मार्गों पर नहीं चले वाहन ट्रैफिक प्लान के तहत पुलिस ने घाट रोड, जयराम आश्रम रोड, मुखर्जी मार्ग, क्षेत्र रोड और गोल मार्केट में सवारी वाहनों के साथ ही कारों का आवागमन प्रतिबंधित किया है। शनिवार को सुबह से लेकर रात तक इन सड़कों पर वाहन नहीं चले। वहीं, प्रतिबंधित सड़कों पर शाम के समय धनतेरस पर खरीदारी को स्थिति यह दिखी कि लोगों को पैदल चलने के लिए भी ठीक से जगह नहीं मिल पाई। सुरक्षा के लिए मार्गों पर हथियारों से लैस जवान जगह–जगह तैनात दिखे।

ट्रैफिक को सुचारु बनाने के लिए यातायात प्लान लागू किया गया है, लेकिन वाहनों का दबाव इतना अधिक है कि संकरे मुख्य मार्ग पर इससे जाम की स्थिति पैदा हो रही है। बावजूद, पुलिसकर्मी यातायात को सुचारु रखने के लिए भरसक प्रयास में जुटे हैं। –प्रदीप कुमार, यातायात निरीक्षक

पीएम जनमन कार्यक्रम में यूएस नगर को देश में चौथा स्थान

ऊधमसिंह नगर। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) कार्यक्रम में ऊधम सिंह नगर को देश में चौथा स्थान मिला है। शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डीएम नितिन सिंह भदौरिया को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पीएम जनमन सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य देश के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों का सर्वांगीण विकास करना है। यह कार्यक्रम 15 नवंबरर 2023 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। योजना के अंतर्गत भारत के 75 जनजातीय जिलों के लगभग 75 समुदायों के 28 लाख से अधिक लोगों को मुख्यधारा में लाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही उन जनजातीय समुदायों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है जो अब तक विकास की मुख्यधारा से वंचित रहे हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, बिजली, आवास, सड़क, मोबाइल नेटवर्क और आजीविका के साधन शामिल हैं। पीएम जनमन कार्यक्रम का बजट लगभग 24,000 करोड़ रुपये रखा गया है, जो अगले तीन वर्षों में खर्च किया जाएगा। डीएम नितिन सिंह भदौरिया ने कहा सभी अधिकारियों की सक्रियता से यह सम्मान मिला है।

बीमार बेटी को पीठ पर लादकर अस्पताल पहुंची मां

रुद्रपुर। लालपुर की रजनी की शादी तीन साल पहले ट्रांजिट कैंप निवासी विनोद से हुई थी। नौ महीने पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया। तब से उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। बीमार रजनी धीरे–धीरे अपने घर में ही पराई हो गई। जब हालात बेकाबू हुए तो ससुरालियों ने हीरा कली को फोन किया।

हीरा कली ने बेटी को बेसुध पाया। घर की ऊपरी मंजिल से उसे पीठ पर लादकर नीचे लाई और मदद की गुहार लगाई। मगर कोई आगे नहीं आया। ई–रिक्शा चालक तक ने मना कर दिया। हेल्पलाइन पर कॉल करने के लिए उसके पास मोबाइल भी नहीं था। किसी तरह वह बेटी को एक निजी अस्पताल तक ले गई। डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताई और सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी के लिए रेफर कर दिया।

रुद्रपुर से हल्द्वानी ले जाने के लिए एंबुलेंस मिली लेकिन मां की ममता नियति से जीत न सकी। शुक्रवार की सुबह बेटी ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया कि उसका लीवर फेल हो गया था।

दर्द यहीं खत्म नहीं हुआ। परिजन रजनी का शव बिना पोस्टमार्टम कराए हल्द्वानी से रुद्रपुर ले आए। यहां उन्हें बताया गया कि मौत हल्द्वानी में हुई थी इसलिए पोस्टमार्टम वहीं होगा। ऐसे में परिजन ट्रांजिट कैंप से लेकर कई जगह भटकते दिखे।

शव को लेकर भिड़े दो पक्षः महिला की मौत के बाद शव रुद्रपुर पहुंचा। पहले ससुराली लेने नहीं आए। बाद में शव को अपने साथ ले जाने की जिद पर अड़ गए। मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस की मध्यस्थता के बाद आगे की कार्रवाई की गई।

उल्लुओं की तस्करी और शिकार को लेकर वन विभाग पूरी तरह सतर्क

काशीपुर। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही जहां एक ओर बाजारों में रौनक बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर उल्लुओं की तस्करी और शिकार को लेकर वन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। दीपावली पर तंत्र–मंत्र और झाड़–फूंक के कार्यों में उल्लू के उपयोग की कुप्रथा के चलते हर साल इन दुर्लभ पक्षियों पर संकट मंडराता है। इसी को देखते हुए तराई पश्चिमी वन प्रभाग ने अपने समूचे क्षेत्र में विशेष निगरानी अभियान शुरू कर दिया है। वन विभाग तराई पश्चिमी की तरफ से कर्मियों को अलर्ट मोड पर रख दिया गया है। दीपावली अवधि के लिए एक विशेष गश्ती योजना तैयार की है। इसके तहत प्रभाग के सभी रेंज काशीपुर, जसपुर, बाजपुर में रात्रिकालीन गश्त बढ़ा दी गई है। विभागीय कर्मियों को संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों, जंगल किनारे के गांवों और स्थानीय पशु–बर्ड मार्केट में चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। रेंजर देवेन्द्र रजवार ने बताया कि तराई पश्चिमी वन प्रभाग ने बताया कि दीपावली के समय उल्लू के अवैध शिकार और व्यापार की गतिविधियां बढ़ने का खतरा रहता है। इसके मद्देनजर विभाग ने फील्ड स्टाफ को अलर्ट मोड में रखा है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के दिशा–निर्देशों के अनुसार हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। डीएफओ ने कहा कि उल्लू पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत उपयोगी पक्षी है, जो खेतों में चूहों और हानिकारक कीटों की संख्या नियंत्रित करके किसानों की फसलों की रक्षा करता है। विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी निगरानी बढ़ाई है, ताकि किसी व्यक्ति द्वारा उल्लू की बिक्री या खरीद से जुड़ी पोस्ट या जानकारी साझा करने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। विभागीय कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि स्थानीय ग्रामीणों, दुकानदारों और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को बताया जाए कि उल्लू का शिकार या व्यापार गैरकानूनी है।

सोने के बढ़ते दामों का असर.. चांदी मे कर रहे लोग निवेश

हल्द्वानी। सोने के बढ़ते दामों का असर ग्राहकों में इस तरह पड़ा है कि वह इस दीपावली पर्व के दौरान चांदी की ज्वैलरी जैसे चोकर, ब्रेसलेट, पायल, एंटीक सिक्का खरीदना पसंद कर रहे हैं। हालांकि कई वर्ग के लोग सोने की ज्वैलरी भी खरीद रहे हैं। लेकिन इनसे ज्यादा कई लोग 24 कैरट का कच्चा सोना व सिक्का खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ताकि वह भविष्य में इसका निवेश कर सकें। कई ज्वैलर्स तो निवेशकों को पुराने सोने का 35 से 40 प्रतिशत रिटर्न दे रहे हैं। बीते वर्षों तक धनतेरस पर्व से पहले ही सोने की ज्वैलरी की खूब मांग रहती थी। लेकिन इस बार बढ़ते सोने के दाम को देखते हुए ऐसा काफी कम हो रहा है। सोने–चांदी के दाम प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। हालांकि कई कारोबारियों का कहना है कि दाम एकदम गिर भी सकते हैं। इसलिए लोग अभी असमंजस में हैं की अभी सोना–चांदी खरीदें या बाद में। इसके चलते दुकान में भी काफी कम ग्राहक पहुंच रहे हैं।

पावली पर एसएसपी ने कसी सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने आगामी त्योहारों–धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज–को देखते हुए जिले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, सीएफओ, थाना, चौकी, फायर स्टेशन प्रभारी, निरीक्षक एलआईयू और अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून–व्यवस्था और जनसुरक्षा सवोच्च प्राथमिकता रहेगी। इस क्रम में जिले के सभी महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, पटाखा बाजारों, बैंक, एटीएम, सर्राफा बाजारों और प्रमुख प्रतिष्ठानों के आसपास पैदल गश्त, चीता मोबाइल, पिकेट और बैरिकेड ड्यूटी पर पुलिस जवान मुस्तैदी से तैनात हैं। कानून एवं शांति व्यवस्था को भंग करने वाले किसी भी आपराधिक, अराजक या उपद्रवी तत्व पर पुलिस की सतर्क निगरानी रखी जा रही है। इस प्रकार की कोई भी गतिविधि पाए जाने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फायर यूनिटों को अल्मोड़ा और रानीखेत में पटाखा बाजारों के निकट फायर टेंडरों और अग्निशमन उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। जनपद के सभी प्रवेश मार्गों पर आने–जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। अल्मोड़ा शहर में सुचारु यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस के जवानों को प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है।

धोखा, नौकरी के नाम पर विदेश में युवक से कराई साइबर ठगी

रुद्रपुर। नौकरी के लिए विदेश गए युवक को साइबर गिरोह ने बंधक बना लिया। वे युवक से साइबर ठगी के लिए कॉलिंग कराने के साथ उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम बैलजुड़ी निवासी मोहम्मद शाहनवाज (23) ने नौकरी के लिए टेलीग्राम पर आए विज्ञापन में दिए नंबरों पर विदेशी कंपनी से संपर्क किया था। इसमें बैंकॉक में एडिटिंग और डिजाइन के लिए नौकरी का ऑफर था। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर पासपोर्ट की फोटो भेजने के बाद वहां से दो माह का टूरिस्ट वीजा आ गया था।

लाभ बढ़कर 122 करोड़ रुपए हुआ, तिमाही दर तिमाही 18.2 प्रतिशत की वृद्धि

–सिक्योर्ड बुक में 52.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि, 16,173 करोड़ रुपए पर, सिक्योर्ड बुक का हिस्सा 46.8 प्रतिशत

देहरादून। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (बीएसईः 542904; एनएसईः उज्जीवनएसएफबी) ने सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का व्यवसाय प्रदर्शन सारांश– वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही और वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में जमा राशिः सितंबर 2025 तक कुल जमा 39,211 करोड़ रुपए, वार्षिक आधार पर 15.1 प्रतिशत वृद्धि। सीएएसए जमा 10,783 करोड़ रुपए, वार्षिक वृद्धि 22.1 प्रतिशत; सीएएसए अनुपात 27.5 प्रतिशत। फंड की लागत वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 7.6 प्रतिशत से घटकर 7.3 प्रतिशतहुई।

संपत्तिः अब तक का सबसे अधिक ऋण वितरण 7,932 करोड़ रुपए, वार्षिक वृद्धि 47.6 प्रतिशत और तिमाही वृद्धि 21.3 प्रतिशत। सकल ऋण पोर्टफोलियो 34,588 करोड़ रुपए, वार्षिक वृद्धि 14.0 प्रतिशत और तिमाही वृद्धि 3.9 प्रतिशत। सिक्योर्ड बुक का हिस्सा सितंबर 2025 में 46.8 प्रतिशत, जबकि सितंबर 2024 में 34.9 प्रतिशत और जून 2025 में 45.5 प्रतिशत था। माइक्रो बैंकिंग वितरण 4,259 करोड़ रुपए, वार्षिक वृद्धि 29.3 प्रतिशत और तिमाही वृद्धि 8.3 प्रतिशत। माइक्रो बैंकिंग पोर्टफोलियो 18,570 करोड़ रुपए, तिमाही वृद्धि 1.5 प्रतिशत। कलेक्शन और एसेट क्वालिटीः जोखिमग्रस्त पोर्टफोलियो (पीएआर)/ जीएनपीए/ एनएनपीए क्रमशः 4.45 प्रतिशत / 2.45 प्रतिशत / 0.67 प्रतिशत (सितंबर 2025 तक); जून 2025 में यह 4.81 प्रतिशत / 2.52 प्रतिशत / 0.71 प्रतिशत था।

प्रावधान कवरेज अनुपात सितंबर 2025 में 73 प्रतिशत।

ग्रुप और व्यक्तिगत ऋण पुस्तकों के लिए "बकेट–एक्स" कलेक्शन दक्षता 99.5 प्रतिशत रही।

कुल एसएमए घटकर 1.99 प्रतिशत– वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के बाद से सबसे कम स्तर।

वित्तीय प्रदर्शन

वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीएटी) 122 करोड़ रुपए, तिमाही वृद्धि 18.2 प्रतिशत।

पीपीओपी (प्री–प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट) 9.6 प्रतिशत बढ़कर 395 करोड़ रुपए। नेट इंटरेस्ट इनकम 922 करोड़ रुपए, तिमाही वृद्धि 7.7 प्रतिशत–तीन तिमाहियों में पहली बार सुधार।

वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के लिए आरओए / आरओई

क्रमशः 1.0 प्रतिशत / 7.7 प्रतिशत।

पूंजी स्थितिः पूंजी पर्याप्तता अनुपात 21.4 प्रतिशत; टियर–प्रथम पूंजी 19.9 प्रतिशत। संजीव नौटियाल, एमडी और सीईओ, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, ने कहा, "हमने इस तिमाही में संतुलित वृद्धि दी है, जिससे अधिशेष तरलता का प्रभावी उपयोग हुआ और हमारा सीडी अनुपात 88.2 प्रतिशत पर पहुँचा। कुल जमा 39,211 करोड़ रुपए रही, जो तिमाही 1.5 प्रतिशत और सालाना 15.1 प्रतिशत अधिक है। सीएएसए 10,783 करोड़ रुपए तक बढ़ी, जिसमें तिमाही 14.9 प्रतिशत और सालाना 22.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खुदरा टीडी और सीएएसए मिलाकर कुल जमा का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है। हमारे सीएएसए संवर्धन प्रयास अभी आकार लेने लगे हैं। एमएफ वितरण और विदेशी मुद्रा उत्पाद ग्राहकों के लिए तीसरी तिमाही में शुरू किए जाएँगे, जबकि एएसबीए के भविष्य के रोलआउट से सीएएसए जुटाव को और बढ़ावा मिलेगा। हमने विभिन्न बकेट में टीडी और एसए दोनों में दरों को सक्रिय रूप से रीसेट किया है, जिसके परिणामस्वरूप फंड की लागत में 23 बीपीएस तिमाही–दर–तिमाही और 17 बीपीएस सालाना सुधार हुआ है। हमें आने वाली तिमाहियों में सीओएफ के और लाभ की उम्मीद है।

इस तिमाही में ऋण वितरण मजबूत रहा और 7,932 करोड़ रुपए का उच्चतम संवितरण हुआ, जो तिमाही–दर–तिमाही 21.3 प्रतिशत और सालाना 47.6 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही के लिए, संवितरण 35.8 प्रतिशत बढ़कर 14,471 करोड़ रुपए, सुरक्षित ऋण पुस्तिका में निरंतर गति के कारण। हमारी सकल ऋण पुस्तिका वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 3.9 प्रतिशत तिमाही–दर–तिमाही और 14.0 प्रतिशत वर्ष–दर–वर्ष बढ़कर 34,588 करोड़ रुपए हो गई, जो परिसंपत्ति सूट में विविधता लाने और एक स्थायी पोर्टफोलियो बनाने के हमारे अनुशासित दृष्टिकोण से प्रेरित है। असुरक्षित की तुलना में सुरक्षित उत्पादों में तेज़ वृद्धि के कारण सुरक्षित ऋणों की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत पर आ गई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com